डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 मार्च 2024 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर
# दोपहर मेट्रो

**आज का मौसम**
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

## मप्र में कांग्रेस टिकटों का ऐलान करीब, महिला उम्मीदवारों पर दांव

# ठाकरे एनडीए के पाले में, मोदी के मंत्री पशुपति का इस्तीफा

**नई दिल्ली/भोपाल दोपहर मेट्रो/एजेंसी।** लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राजनीति का पहिया तेजी से घूमने लगा है। आज राज ठाकरे के दिल्ली में होने पर महाराष्ट्र में सियासी उबाल है और ठाकरे की एनडीए में आमद के आसार हैं तो कांग्रेस नेता प्रिया दत्त शिवसेना शिंदे गुट की तरफ जा सकती हैं। वहीं मोदी केबिनेट में मंत्री पशुपति पारस ने इस्तीफा दे दिया है, वे बिहार में तालमेल और टिकट बंटवारे से नाराज हैं।

इधर, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की अहम बैठक दिल्ली में हो रही है। आज शाम तक पार्टी की तीसरी लिस्ट आ सकती है। इसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के प्रत्याशी भी हो सकते हैं। खबरें हैं कि पार्टी महिलाओं को टिकट देकर मप्र में भाजपा के बड़े नेताओं को लाडली बहना वाले मुद्दे पर घेरने की रणनीति पर भी काम कर रही है। विदिशा से भी महिला उम्मीदवार के उतारे जाने की संभावना है, जहां से भाजपा के शिवराज सिंह चौहान चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं शीर्ष नेतृत्व लोकसभा चुनाव के लिए अपने मेनिफेस्टो पर भी मंथन कर रहा है। उधर मप्र भाजपा के चुनाव वार रूम में तेजी से चुनावी रणनीति पर काम हो रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज का अपना दिन फिर आरक्षित रखा है।

इधर, एनडीए की सीट शेयरिंग में खाली हाथ रहने के बाद अब आरएलपी चीफ पशुपति पारस ने केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। पशुपति पारस ने आज प्रेस कांफ्रेंस कर इस्तीफा देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'मेरे और मेरी पार्टी के साथ नाइंसाफी हुई। हमें एक भी सीट नहीं दी गई।' इस्तीफा देने के पहले तक पशुपति पारस मोदी सरकार में खाद्य और प्रसंस्करण मंत्री थे। दरअसल पशुपति पारस सीट शेयरिंग में अपने भतीजे चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) को 5 लोकसभा सीटें मिलने से नाराज हैं। उन्हें सबसे बड़ी नाराजगी इस बात की है कि उनकी पार्टी को एक भी सीट नहीं दी गई। ज्ञात हो बिहार में एनडीए में सीटों के बंटवारे का ऐलान हो चुका है। बंटवारे के तहत, बीजेपी एक बार फिर बड़े भाई की भूमिका में आ गई है. बीजेपी बिहार में 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं नीतीश की जेडीयू के खाते में 16 सीटें आई हैं। वहीं महाराष्ट्र में प्रिया दत्त लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस पार्टी छोड़ सकती हैं। इससे कांग्रेस को एक और झटका लगेगा। खबरें हैं कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करना चाहते हैं। 2019 में प्रिया दत्त मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से भाजपा की पूनम महाजन से हार गई थीं।

### पवार गुट ने ठाकरे को दी रुकने की सलाह

महाराष्ट्र में शरद पवार गुट के नेता और विधायक रोहित पवार ने एमएनएस चीफ राज ठाकरे को खुला ऑफर दिया व कहा है कि ठाकरे साहब एक बड़े नेता हैं, वो थोड़ा सोचें, क्योंकि भाजपा को आज जरूरत है, इसलिए वो अहमियत दे रहे हैं. जब जरूरत नहीं होती, तब दरकिनार किया जाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र धर्म का पालन करने के लिए राज ठाकरे साहब को महाविकास अघाड़ी के साथ जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए।

# कैसे थमेगा राहुल गांधी की हिंदु धर्म शक्ति से जंग से छिड़ता विवाद?

**प्रसंगवश**
**राजेश सिरोठिया**

राहुल गांधी के बारे में जब भी कोई अच्छी राय बनाने की सोचता है, तभी वह कुछ ऐसा कर बैठते हैं जो उनको फिर उनके अतीत के सियासी मंच पर जाकर खड़ा कर देता है। या यूं कहें कि उनकी राजनीति का ग्राफ सांप सीढ़ी के उस खेल की तरह है जिसमें वह पूरी मेहनत करके शून्य से 99 के सफर के करीब तक पहुंचते हैं, तभी कुछ ऐसा होता है कि वह ऊपर चढ़ती सीढ़ी के बजाए सांप के मुंह में पहुंचकर फिर शून्य या उसके पास जाकर खड़े हो जाते हैं। अब तो यह समझ से परे है कि यह सब उनसे उनके मुख से कहलाया जाता है या फिर वह खुद ही उड़ता तीर थामकर अपने सियासी कैरियर को लहुलुहान करते हैं।

उन्होंने देर से ही सही पर पहले भारत जोड़ो यात्रा और उसके बाद न्याय यात्रा शुरू की। नेता सड़क पर उतरे तो उसका सुफल उसे मिलता ही है। यानि राहुल गांधी सही ट्रेक पर थे। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने रास्ते में पढ़ने वाले तीर्थ स्थानों पर पूजा अर्चना करके खुद को सनातनी साबित करने की कोशिश भी की। हालांकि यह बात सभी जानते हैं कि वह सनातन धर्म नहीं समझते हैं और उसे वह हिंदु धर्म कहते हैं जो धर्म नहीं बल्कि हिंदुस्थान में रहने वाले लोगों के लिए प्रयुक्त किया जाता है। हिंदु धर्म नहीं बल्कि इस विविधता भरे देश में रहने की पद्धिति है।

बहरहाल मूल विषय पर लौटें और देखें कि राहुल गांधी ने क्या कहा है जिसने उनकी न्याय यात्रा का कचरा कर डाला है। राहुल गांधी हिंदु धर्म (सनातन) में निहित शक्ति के खिलाफ लड़ाई लड़ने को लेकर दिए गए बयान को अनर्थ बताते हुए भले चाहे जो कैफियत दे रहे हों लेकिन उन्होंने अपनी न्याय यात्रा के समापन पर रविवार के मुंबई के शिवाजी पार्क में जो कहा उसका मतलब बिल्कुल साफ है। उनकी कैफियत नाकाफी और गले उतरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा 'मेरी लड़ाई भाजपा से नहीं है। किसी व्यक्ति या नरेंद्र मोदी के खिलाफ नहीं है। हिंदु धर्म में एक शब्द शक्ति है। इसी शक्ति से उनकी लड़ाई है।' यानि राहुल के कहे हिंदु धर्म को सही अर्थों में सनातन माना जाए तो उसकी शक्ति से लड़ाई का क्या मतलब निकाला जाए। साफ है कि राहुल गांधी इस धर्म की शक्ति के खिलाफ लड़ना चाहते हैं। क्यों लडना चाहते हैं? किसके लिए लड़ना चाहते हैं? इस लड़ाई से उनको या उनकी पार्टी कांग्रेस को क्या फायदा होगा? इन तमाम बातों का जिक्र उन्होंने नहीं किया या उन्हें स्पष्ट नहीं किया जैसा कि वह पहले भी करते आए हैं।

राहुल गांधी क्या बोल गए हैं, इस बात का अंदाजा उन्हें तब हुआ जब देश के चतुर नेता नरेंद्र मोदी ने हिंदु धर्म की शक्ति के खिलाफ लड़ाई को हिंदु देवियों और उनकी प्रतीक समझी जाने वाली नारी शक्ति से जोड़ दिया। यह मुमकिन है कि राहुल की नारी शक्ति या देवी शक्ति मां दुर्गा के खिलाफ जंग की कहने की मंशा नहीं रही होगी। लेकिन यह तो तय है कि सनातन धर्म में शक्ति का प्रतीक देवी दुर्गा ही है। लक्ष्मी हैं। मां जगदंबा हैं। मां सरस्वती हैं। मां पार्वती हैं। यानि राहुल की कही बातों का अर्थ सनातन धर्म में सर्वाधिक पूज्य देवियों के खिलाफ जंग को ही माना जाएगा। अब अपनी लड़ाई को भाजपा किसी व्यक्ति विशेष या मोदी के खिलाफ नहीं लडने की बात कहने वाले राहुल वापस नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़ने को मजबूर हैं।

अब राहुल बाबा अपने वक्तव्य की सफाई में यह दलील दे रहे हैं कि उनकी जंग मोदी के खिलाफ है। उनके अधर्म के खिलाफ है। अधर्म की शक्तियों के खिलाफ जंग की बात वह कह रहे हैं, जबकि उन्हें यह नहीं पता कि शक्ति सनातन धर्म में ही समाहित है। अधर्म में कतई शक्ति नहीं है। पौराणिक कथाओं के हिसाब से देखें तो रावण से लेकर कंस सहित तमाम तथाकथित असुरों ने देवताओं की तपस्या करके ये शक्ति हासिल की थीं और बाद में तब उन्होंने इन शक्तियों का दुरूपयोग किया तब देवताओं को उन्हें उनमें निहित शक्तियों को ध्यान में रखते हुए तरकीब भिड़ाकर उनका वध करना पड़ा।

अब इस विवाद में हम या कोई भी नहीं पड़ना चाहेगा कि मौजूदा सियासी फलक पर कौन देवता है या कौन असुर है। किसके पास क्या शक्ति है या कौन उसका दुरूपयोग कर रहा है और कौन उन शक्तिधारियों का वध करेगा? लेकिन एक बात तो तय है कि चुनावी दहलीज पर खड़े देश में राहुल गांधी ने प्रमुख विपक्षी दल के खिलाफ भाजपा को चाहे-अनचाहे ऐसा औजार पकड़ा दिया है जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम कांग्रेस तथा उसके इं.डि.या. गठबंधन के खिलाफ जमकर इस्तेमाल करना पड़ेगी और राहुल गांधी को नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान के बजाए मोदी के खिलाफ नफरत का शो रूम खोलना पड़ेगा।

## एनकाउंटर में 36 लाख के 4 इनामी नक्सली ढेर

फाइल फोटो

**रायपुर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को बड़ा झटका लगा है, आज सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में 36 लाख के चार इनामी नक्सली कमांडर ढेर हो गए। यह एनकाउंट सुबह छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, सी 60 कमांडो को नक्सलियों के मूवमेंट की जानकारी मिली थी, जिसके बाद आसपास नाकेबंदी कर दी गई और नक्सलियों को घेर लिया। दोनों तरफ से फायरिंग हुई और एनकाउंटर में 4 नक्सली मारे गए। मरने वाले नक्सलियों की पहचान वर्गीश, मंगतु, कुरसम राजू और वेंकटेश के रूप में हुई है। घटनास्थल से एक एके 47, एक कार्बाइन, दो पिस्टल समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। इससे पहले 4 मार्च को छत्तीसगढ़ पुलिस ने कांकेर में एक नक्सली को ढेर कर दिया था। एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया था।

## नायब कैबिनेट विस्तार, विज पर सस्पेंस

**चंडीगढ़, एजेंसी।** बीते चार दिन में चार बार टलने के बाद आखिरकार आज हरियाणा में सीएम नायब सैनी कैबिनेट का विस्तार हो रहा है। शाम साढ़े चार बजे नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह होगा। मनोहरलाला खट्टर के इस्तीफे के बाद नायब सैनी को हरियाणा की सीएम बनाए जाने के बाद उनकी कैबिनेट का विस्तार हो रहा है। सूत्रों की मानें तो 8 मंत्री शपथ ले सकते हैं। इसी बीच अनिल विज पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। विज को कैबिनेट में जगह मिलती है या नहीं इस पर अभी तक सस्पेंस है। बता दें कि अनिल विज अपनी ही पार्टी से नाराज चल रहे हैं। विधायक दल की बैठक में जब नायब सैनी को सीएम बनाए जाने की बात हुई थी तो वो बीच से उठकर चले गए थे।

## शेयर बाजार में फिर बवाल, सेंसेक्स और निफ्टी में जबर्दस्त गिरावट

**मुंबई, एजेंसी।** इस कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन ही आज शेयर बाजार में बवाल मचा हुआ है। दिन की शुरुआत बेहद खराब रही। मार्केट ओपन होने के साथ ही इंडेक्स बुरी तरह टूट कर खुले। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 350 अंक से ज्यादा फिसलकर 72,397.18 पर आ गया। तो निफ्टी 104.00 अंक या 0.47 फीसदी की गिरावट के साथ 21,951.70 के लेवल पर ओपन हुआ। आज बाजार में गिरावट के बीच सबसे ज्यादा गिरावट टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस के शेयरों देखने को मिली, जो 3 फीसदी तक टूट गये। इस गिरावट से कई शेयर होल्डर निराश दिखे। दरअसल बाजार खुलने के साथ लगभग 1141 शेयरों में तेजी देखने को मिली थी तो वहीं 1041 शेयरों ने लाल निशान पर कारोबार शुरू किया था।

**कई बड़ी कंपनियों के शेयर धड़ाम**

## सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में लोकसभा चुनाव की मांग

**कोलकाता, एजेंसी।** टीएमसी के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने अब मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में लोकसभा चुनाव कराए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थानों को तबाह करने की कोशिश कर रही है। ब्रायन ने चुनाव आयोग को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए और आरोप लगाते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट किया। इस पोस्ट में डेरेक ओ ब्रायन ने लिखा कि भाजपा घटिया तरीकों से भारत में संस्थानों जैसे चुनाव आयोग को तबाह कर रही है। क्या भाजपा लोगों को सामना करने से डर रही है और इसी वजह से उन्होंने विपक्ष को निशाना बनाने के लिए चुनाव आयोग को पार्टी कार्यालय में तब्दील कर लिया है। ब्रायन ने लिखा कि 'निर्वाचित राज्य सरकारों के अधिकारियों का ट्रांसफर हो रहा है। हम निष्पक्ष और मुक्त मतदान के लिए चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट लोकसभा चुनाव 2024 की निगरानी करे।'

## अब रामदेव के रवैये पर सख्त हुआ सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने आयुर्वेदिक कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण और योग गुरु रामदेव को सुनवाई की अगली तारीख पर पेश होने के लिए कहा है। दरअसल, बीमारियों के इलाज पर भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि और बालकृष्ण को अवमानना का नोटिस भेजकर जवाब मांगा था, जिसका इन लोगों ने जवाब नहीं दिया। जस्टिस हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कंपनी और बालकृष्ण की अदालत द्वारा पहले जारी नोटिसों पर जवाब दाखिल करने में विफल रहने पर कड़ी आपत्ति जताई। पीठ ने रामदेव को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए।

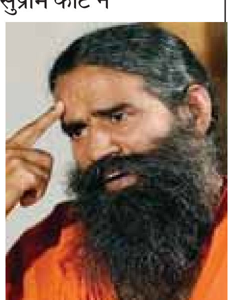

**मेट्रो एंकर**

### स्विस ग्रुप आईक्यू एयर ने जारी की राजधानियों की सूची

# सबसे प्रदूषित राजधानी: दिल्ली को फिर अनचाहा खिताब

**नईदिल्ली, एजेंसी।** देश की राजधानी को दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी का 'अनचाहा दर्जा' मिल गया है। स्विस ग्रुप आईक्यू एयर ने दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों और देशी की राजधानियों की सूची जारी कर दिल्ली को यह जगह दी है। जबकि बिहार का बेगुसराय दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर की लिस्ट में है। दिल्ली सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाली मानी गई है। । मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईक्यू एयर ने औसत वार्षिक पीएम 2.5 54.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के साथ भारत में 2023 में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद 134 देशों में से तीसरी सबसे खराब वायु गुणवत्ता थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश में 79.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पाकिस्तान में 73.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर खराब वायु गुणवत्ता रही है। दूसरी तरफ साल 2022 में भारत को औसत पीएम 2.5 सांद्रता 53.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के साथ आठवें सबसे प्रदूषित देश के रूप में जगह मिली थी। दिल्ली लगातार चार बार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी रही। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में 1.36 अरब लोग पीएम 2.5 की चपेट में रहे।

### वायु प्रदूषण से कई बीमारियां

दुनिया में हर नौ में से एक मौत प्रदूषण की वजह से हो रही है। जो मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा पर्यावरणीय खतरा बनता जा रहा है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, वायु प्रदूषण हर साल दुनिया भर में अनुमानित सात मिलियन असामयिक मौतों के लिए जिम्मेदार है। पीएम 2.5 के संपर्क में आने से कई तरह की बीमारियां बनती हैं। जिनमें अस्थमा, कैंसर, स्ट्रोक और फेफड़ों की बीमारी शामिल है। विशेषज्ञों के मुताबिक पीएम 2.5, प्रदूषक कणों की उस श्रेणी को संदर्भित करता है जिसका आकार 2.5 माइक्रोन के करीब का होता है। मुख्य रूप से जंगल की आग, बिजली संयंत्रों और औद्योगिक प्रक्रियाओं के कारण इसका स्तर बढ़ जाता है। यह कण आसानी से सांस के माध्यम से शरीर में प्रवेश करके गले में खराश, जलन और फेफड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

***इन अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव:*** *स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक पीएम 2.5 के बढ़े हुए स्तर के संपर्क में रहने के कारण आंख, नाक, गले, फेफड़े और हृदय को गंभीर खतरा हो सकता है। आंखों में जलन, आंखों से पानी आना, सांस लेने में दिक्कत, खांसी और त्वचा से संबंधित समस्याओं का खतरा सबसे अधिक होता है। पीएम 2.5 से सुरक्षित रहने के लिए सभी लोगों को बाहर जाते समय अच्छे और कसे हुए मास्क पहनने के साथ आंखों पर चश्मा लगाकर रखना चाहिए। समय-समय पर चेहरे को अच्छी तरह से पानी से धोते रहे।*

**होली आई रे...**

शहर के बाजारों में होली का बाजार सज गया है। पिचकारी व रंग गुलाल खरीदने लोग पहुंच रहे हैं।

## ड्राईवर की लापरवाही से हादसा, 2.93 करोड़ मुआवजा देने के आदेश

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

एक निजी कंपनी के रिटेल मैनेजर की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने के मामले में उसके परिजनों को 2 करोड 93 लाख 80 हजार 208 रुपए की मुआवजा राशि देने के आदेश न्यायालय ने दिए हैं।

आदेश दुर्घटना वाले टैंकर की कंपनी और ड्राइवर को दिए हैं। जानकारी के अनुसार, घटना 11 नवंबर 2018 की है। रिटेल मैनेजर अपनी कार से छींद हनुमान मंदिर दर्शन करने जा रहा था। इसी दौरान बरखेड़ा के पास टैंकर के ड्राईवर ने तेजी और लापरवाही से टैंकर चलाते हुए उसकी कार में रांग साईड से जोरदार टक्कर मार दी थी। इस घटना में रिटेल मैनेजर की मौके पर मौत हो गई थी।

## बिजली-खंभे के पास या बिजली लाइनों के नीचे होलिका दहन न करें

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी बिजली उपभोक्ताओं तथा आम नागरिकों से सुरक्षित होलिका दहन के लिये अपील की है। कंपनी ने कहा है कि बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या फिर बिजली की ऐसी लाइनें जिसमें विद्युत प्रवाहित होती है, उनके नीचे होलिका दहन न करें। लाइनों के नीचे होलिका दहन से दुर्घटना की संभावना सदैव बनी रहती है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी ग्रामीण एवं शहरी उपभोक्ताओं से अपील की है कि होलिका का आयोजन और होलिका दहन बिजली लाइनों से कुछ हटकर अन्य स्थान पर ही करें। आग की लपटों से एल्यूमिनियम तारों एवं बिजली केबल के गलने, जलने और टूटने की संभावना सदैव रहती है। इनके टूटने या गिरने से कोई भी बड़ी अप्रत्याशित घटना घट सकती है। कंपनी ने सभी बिजली उपभोक्ताओं एवं नागरिक बंधुओं से अपील है कि होलिका दहन बिजली की चालू लाइनों, उपकरणों से दूर करें और प्रसन्नता से त्यौहार मनाये।

### हमीदिया सहित प्रदेश के सभी शासकीय चिकित्सालयों की रिपोर्ट तलब

# हमीदिया में मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री, फिर भी जमीन पर सुखा रहे चादर प्रमुख सचिव को जांच के निर्देश

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

**मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल के हमीदिया अस्पताल में मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री होने के बावजूद जमीन पर चादर सुखाने और इससे संक्रमण का खतरा होने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग ने मामले में प्रमुख सचिव, अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सेवाएं मप्र, मंत्रालय भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। आयोग ने प्रभावी स्वास्थ्य सुविधाओं से सम्बन्धित ऐसे मामले में शीघ्र युक्तियुक्त एवं उचित कार्यवाही हमीदिया अस्पताल भोपाल के साथ ही प्रदेश के सभी शासकीय चिकित्सालयों के सम्बन्ध में कराते हुये प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।**

### यह है पूरा मामला

आयोग के संज्ञान में आया है कि हमीदिया अस्पताल में मरीजों के लिये उपलब्ध होने वाली चादरों को मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री होने के बावजूद जमीन पर सुखाने का मामला सामने आया है। मरीजों की चादरों के साथ-साथ ओटी में पहनी जाने वाली डेऊस को लॉन्ड्री में ही सुखाया जाना था, लेकिन इन कपड़ो को जमीन पर सुखाया जा रहा है। जिसके कारण चादरों में कई संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है।

### अस्पताल में अव्यवस्थाएं, मरीज और परिजन परेशान

हमीदिया अस्पताल की नई बिल्डिंग परिसर में इलाज के आने वाले मरीजों को अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही और अव्यवस्थाओं के कारण परेशान होने का मामला सामने आया है। परिजन खुद मरीजों को स्ट्रेचर पर लेकर जा रहे है। नई बिल्डिंग में स्थित शिकायत हेल्प डेस्क पर कोई मौजूद नहीं रहता, जिसके कारण मरीजों और परिजनों को कई समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाये मप्र संचालनालय, भोपाल एवं डीन, गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने सुविधा उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था के संबंध में 15 दिन में जवाब मांगा है।

### प्रदेश के पुलिस थानों में महिला पुलिसकर्मियों के लिए नहीं अलग शौचालय

प्रदेश के पुलिस थानों में आज भी महिला पुलिसकर्मियों को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। पुलिस थानो में महिला पुलिसकर्मियों के लिये अलग से शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिस कारण उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने पुलिस महानिदेशक को मामले की जांच कराकर महिला पुलिसकर्मियों के लिए मूलभूत सुविधा की व्यवस्था कराये जाने के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

### एक दर्जन ठेलों को कुछ देर के लिए हटाया

## संतनगर में ठेलों की समस्या लाइलाज, निगम ने लिया एक्शन

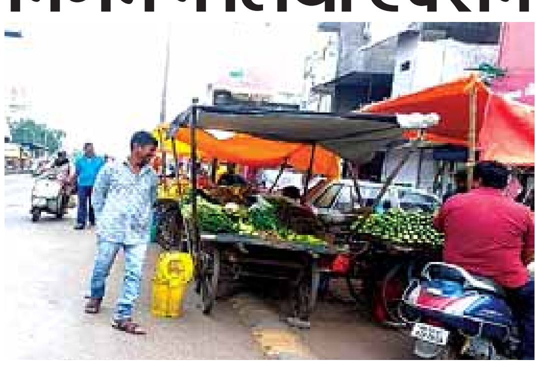

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

जनसंवाद कार्यक्रम में संतनगर की सड़कों पर ठेलों की समस्याओं को उठाए गया था। कार्यक्रम के लंबे समय बाद नगर निगम एक्शन में आया दो दर्जन ठेलों को सड़कों से हटाया। कार्रवाई के दौरान बहस की स्थिति भी बनी।

**हर स्तर पर व्यापारी, लोग उठा चुक हैं ठेलों की समस्या को**

उपनगर में सब्जी मंडी में कारोबार न करके सड़कों पर खड़ा होकर सब्जी-फल बेचने वाले बड़ी समस्या है। मेन रोड समेत सभी सड़कों पर ठेलों का जमघट लगा रहता है, जो यातायात में बड़ी बाधा है। यह ऐसी समस्या है, जिसका निजात होना आसान नहीं है। केवल कार्रवाई के दौरान ठेले वाले इधर-उधर हो जाते हैं। निगम अमले के जाने के बाद वह फिर खड़े हो जाते हैं। ठेलों की समस्या हर स्तर पर उठती रही है।

### हर स्तर पर उठी है समस्या

नगर निगम जोन समिति के बैठक के बाद बीते दिनों पुलिस जनसुनवाई में व्यापारियों ने और समाज के विशिष्ठजनों यह समस्या प्रमुखता से उठाई थी। सोमवार को नगर निगम के अतिक्रमण अमले ठेलों को सड़कों से हटाया। कहा जाता है, कई ठेलों को किराए पर चलाते हैं। कार्रवाई के दौरान व्यापारियों ने नाराजगी जताई, लेकिन ठेलों को हटा दिया गया। हालांकि की कुछ देर बात स्थिति ज्यों कि त्यों हो गई थी।

### मंडी में नहीं रहते ठेले

बता दे सालों पहले पुरानी सब्जी मंडी का हटाकर भवानी रोड पर बसा गया था। वहां ठेले वालों को खड़े होने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन मंडी में कारोबार न होने से ठेला वालों ने पीएनबी रोड, मिनी मार्केट रोड, स्टेशन रोड, बालानी क्लीनिक रोड सहित अन्य मार्गों पर ठेले खड़े रहते हैं। हाई वे का हिस्सा होने के बाद मेन रोड पर दुकानों के साथ ठेले खड़े हुए हैं।

## 10वीं 12वीं छात्रों को मिलेंगे बोनस अंक

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

माशिमं की दसवीं-बारहवीं की परीक्षाओं में शामिल हुए विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। कुछ प्रश्नों के आदर्श उत्तर में गलती के चलते अब माशिमं ने छात्रों को बोनस अंक देने का फैसला किया है। जिसके अनुसार, उज्जैन जिले सहित प्रदेश के विद्यार्थियों को एक विषय दो अंक बोनस में दिए जाएंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, 12वीं के छात्रों को रसायन शास्त्र में बोनस अंक दिए जाएंगे, इसके अलावा गणित में चार प्रश्नों के उत्तर में गलती होने पर भी विद्यार्थियों द्वारा अन्य विधि से सही हल किए जाने पर भी अंक प्रदान करने के किए जाएंगे वही 10वीं कक्षा में अंग्रेजी विषय में बोनस अंक दिए जाएंगे।

## आरजीपीवी के विद्यार्थियों का गेट में हुआ चयन

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

आईआईटी दाखिला परीक्षा गेट (ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग) में यूआईटी आरजीपीवी के डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, डिपार्टमेंट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एवं डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्रों ने सफलता हासिल की है। गेट परीक्षा की आल इंडिया रैंकिंग मे शैली जोशी, हरिओम, प्रांजल खरे, अभिषेक दीक्षित, तपिश पाटीदार, अंकित असाटी, आदित्य सिंह ,अंकित चैहान, उमंग चैरे दीपेश पटेल, हितेश, अंकित पटेल, आर्यन सिंह, दर्शन पटेल, अनुनय शर्मा, रिनिषा तिवारी, कुशाग्र आचार्य, हिमांशु रामारिया, अक्षय बागड़े ने स्थान बनाया है।

**मेट्रो एंकर** | हिन्दू धर्म, मानव जाति की रक्षा की थी विक्रमादित्य ने : सबनानी

# विक्रमादित्य महोत्सव की शुरूआत, भगत साधना का रंग

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

चार दिवसीय विक्रमादित्य महोतसव का संतनगर में समापन हो गया। विधायक भगवानदास सबनानी ने समापन करते हुए कहा राजावीर विक्रमादित्य ने शासन के साथ हिन्दू धर्म एवं मानव जाति की रक्षा की थी।

सिंधी भक्ति गीतों और हास्य कलाकार परमानंद प्यासी के साथ विक्रमादित्य महोत्सव मनायायगा। महोत्सव में जहां एक ओर आस्था का रंग था, वहीं सिंधियत का रंग भी बिखरा। समापन मौके पर विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा इस तरह के आयोजनों युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। भारतीय हिंदू सभ्यता एवं संस्कृति का ज्ञान कराते हैं। हर आयोजन में कोशिश युवाओं को ज्यादा से ज्यादा जोड़ना होना चाहिए। महोत्सव में सिंधी भगत की प्रस्तुति

समाज में उत्सवी साधना की परंपरा को बचाए रखने की कोशिश सराहनीय है।

कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष किशोर तेजवानी व बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

### 74 सालों से मनाया जा रहा महोत्सव

वहीं राजधानी भोपाल के इसरानी मार्केट राजवीर विक्रमादित्य मंदिर में दो दिवसीय विक्रमादित्य महोत्सव का समापन हुआ, सिंधी समाज ने पल्लव कर सभी की खुशहाली की कामना की। छ्माछ्म झूलेलाल भजन मंडली ने बहिराणा साहिब की पूजा अर्चना एवं भजनों की प्रस्तुति दी। सांई लालदास ने भगवान झूलेलाल की कथा सुनाई। इसके बाद सांई ओमीराम साहिब ने भजन संध्या एवं प्रवचन दिए। गुरूद्वय ने कहा राजावीर मंदिर समिति के प्रमुख लखू अंदानी ने बताया कि सिंधी समाज 74 साल से यह आयोजन करती है।

# प्रदेश में मिले 10845 गिद्ध, पिछले वर्ष थे 9444

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गिद्धों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अब प्रदेश में 10 हजार 845 गिद्ध हो गए हैं। फरवरी में हुई गणना रिपोर्ट में यह संख्या सामने आई है। बीते वर्ष 9444 गिद्ध थे। बाघ, तेंदुए की तरह मप्र गिद्धों की सर्वाधिक संख्या वाला प्रदेश बन गया है, क्योंकि दूसरे प्रदेशों के पास इतने गिद्ध नहीं है। यह संख्या आगे भी बढ़नी तय है, क्योंकि मप्र में गिद्धों के संरक्षण में सरकार समेत अनेक संस्थाएं जुटी है। यहां के लोग भी गिद्धों की चिंता कर रहे हैं। वैसे भी वन्यप्राणियों के संरक्षण में मप्र के लोगों ने बड़ा योगदान दिया है। यहां तक कि कई बार तो रिजर्व क्षेत्रों से सटे गांवों के लोगों की फसलें पूरी तरह चौपट हो जाती है तब भी वे वन्यप्राणियों के भले के लिए खड़ रहते हैं। अब गिद्धों के संरक्षण में भी इसी तरह की तत्परता दिखाई दी है। इसका नतीजा यह है कि लोगों ने गिद्धों के लिए मृत मवेशियों को फिर से एक तय स्थान पर खुले में फेंकना शुरू कर दिया है। बीच में कुछ लोग इन मृत मवेशियों को दफना देते थे जिसके कारण गिद्ध अपने लिए मांस की जरुरतों को पूरा नहीं कर पाते थे। भोजन नहीं मिलने के कारण ये कमजोर हो रहे थे। जिसका असर प्रजनन क्षमताओं पर पड़ता था और आबादी बढ़ने में रुकावट पैदा होती थी। अब लोग गिद्धों के महत्व को समझ रहे हैं। वन्यप्राणी एवं पक्षी मामलों की विशेषज्ञ डॉ. संगीता राजगीर का कहना है कि गिद्धों के संरक्षण और उनकी जरुरत पर वे मप्र के अलग-अलग क्षेत्रों में स्वयं के स्तर पर जन जागरुकता फैला रही है। यह काम वह अकेली नहीं कर रही है, बल्कि कई विशेषज्ञ स्वयं जुटे हुए हैं। वन विभाग ने भी अपने प्रयास तेज किए हैं। इसके नतीजे भी आने लगे हैं।

### दूसरी बार भी होगी गणना

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष से एक ही वर्ष से मप्र में दो बार गिद्ध गणना का पैटर्न लागू किया है। फरवरी में हुई गणना पहले चरण की है, जिसमें संख्या बढ़ी है। अगले चरण के तहत अप्रैल में दूसरी बार गणना होगी। अधिकारियों का कहना है कि दोनों गणना रिपोर्ट के आधार पर फाइनल आंकड़े जारी किए जाएंगे।

# भार्गव ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर मांगी राहत, भाजपा का मिशन छिंदवाड़ा तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

**मध्यप्रदेश के सबसे वरिष्ठ विधायक और भाजपा के पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव का हाल में चुनाव आयोग को लिखा पत्र खासी चर्चा में है। उन्होंने इसमें आयोग से राहत की उम्मीद की है। दरअसल मामला सहायता राशि का है जो लोकसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागू होते ही लोगों को मिलना बंद हो गई है। यह राशि राज्य सरकार और जनप्रतिनिधियों के कोष से मिलती रही है। भार्गव ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान और उसकी मंजूरी को लेकर भारत निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है कि स्वेच्छानुदान स्वीकृति को मानवीय आधार पर प्रतिबंध से मुक्त किया जाए।**

भार्गव ने लिखा है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र रहली जिला सागर समेत संपूर्ण मध्यप्रदेश में आम चुनाव-2024 की आदर्श आचार संहिता लागू हो जाने के कारण मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान स्वीकृति की प्रकिया पिछले तीन दिनों से बंद है। इस कारण बहुत से जरूरतमंद लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद के लिए भटक रहे हैं। इस संबंध में मेरा आपसे अनुरोध है कि चूंकि बीमारियां चुनाव और आचार संहिता देखकर नहीं आती हैं। इसलिए यदि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान की स्वीकृति को आदर्श आचार संहिता में प्रतिबंधित किया गया है तो मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए इसे प्रतिबंध से मुक्त करने का कष्ट करें और यदि प्रतिबंधित नहीं किया गया है तो मध्यप्रदेश राज्य शासन को इस संबंध में तत्काल स्पष्ट दिशा निर्देश जारी करने का कष्ट करें। भार्गव ने कहा कि मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से सिर्फ राशि स्वीकृत की जाती है। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए ही सहायता राशि स्वीकृत की जाती है। स्वीकृत राशि अस्पताल द्वारा मरीज को दिए गए इलाज के अनुमानित प्राक्लन के आधार पर अस्पताल के खाते में ट्रांसफर की जाती हैं न कि बीमार व्यक्ति के खाते में।

## विजयवर्गीय जाएंगे छिंदवाड़ा

प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आज से अपने तीन दिन के प्रवास पर छिंदवाड़ा पहुंच रहे हैं। इस दौरान वे कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं को अपना मार्गदर्शन देकर जीत के गुण सिखाएंगे। साथ ही अपने प्रवास के दौरान असंतुष्ट माने जा रहे भाजपा नेताओं को भी मनाने का प्रयास करेंगे। कि लोकसभा चुनाव के अंतर्गत छिंदवाड़ा विधानसभा एवं अमरवाड़ा विधानसभा के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आज बुलाया गया है। ये सम्मेलन अमरवाड़ा एवं छिंदवाड़ा विधानसभा का कार्यकर्ताओं का है। सम्मेलन को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, लोकसभा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू, कार्यकारी जिलाध्यक्ष शेषराव यादव एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन में विधानसभा के मंडल के वरिष्ठ नेतृत्व, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। माना जा रहा है कि भाजपा कमलनाथ के गढ माने जाने वाले छिंदवाड़ा में हर हाल में जीत के लिये आने वाले समय में भी कई सघन कार्यक्रम चलाने की तैयारी में है।

## सीमाओं पर निगरानी कड़ी

लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष शांतिपूर्वक कराए जाने हेतु अंतर्राज्यीय सीमा पर लगे चेकिंग दल ने मप्र में प्रवेश करने वाले वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी है। हर जिले में कलेक्टर भी सक्रिय हैं। चैकिंग के दौरान एसएसटी टीम ने कार्रवाई करते हुए बैतूल के पास पांढुर्णा के थाना लोधी खेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत नाका सतनूर से अलग-अलग व्यक्ति से कुल 18 लाख 5790 रुपए की नकदी जब्त की है। जांच दल ने बताया कि थाना क्षेत्र सतनुर एवं मध्यप्रदेश की सीमा पर लगे चेक पोस्ट पर नाकेबंदी के दौरान पुलिस एवं स्टेटिक सर्विलांस टीम ने चार पहिया वाहन में सवार अलग अलग तीन लोगों से यह राशि जब्त की। इसके पहले तीनों ही चार पहिया सवारों से रुपयों के संबंध में पूछताछ की गई, लेकिन तीनों के ही जवाब संतोषप्रद न मिलने पर उन्हें जब्त करते हुये मामले की जांच की जा रही है।

### कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

## कानूनी विशेषज्ञों ने की चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एलएसी द्वारा नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू) में आयोजित दो दिवसीय तीसरी एनएलआईयू-एलएसी कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम के द्वारा कानून के विभिन्न क्षेत्रों के कानूनी विशेषज्ञों, इच्छुक पैरालीगल और लेखकों को एक मंच पर लाया गया। यह कार्यक्रम कानून के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श कर एक सफल निष्कर्ष को खोजने का प्रयास था।कार्यक्रम में गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया, जहां विद्वानों की पैनल ने 'बिल्डिंग ब्रिज रू कानूनी सहायता संगठनों, कानून फर्मों और सामुदायिक हितधारकों के बीच सहयोगात्मक साझेदारी' से संबंधित विभिन्न पहलुओं और चुनौतियों पर चर्चा की गई। पैनल में सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अनुराग श्रीवास्तव, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन, प्रोजेक्ट 39-ए की संस्थापक सदस्य मैत्रेयी मिश्रा, एनएलआईयू भोपाल में प्रोफेसर डॉ. बीर पाल सिंह, भारत के विधि आयोग की सदस्य डॉ. राका आर्य, एस एंड ए लॉ ऑफिस के पार्टनर राजदत्त शेखर सिंह और सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट कृतिका अग्रवाल शामिल हुए।

## 40 फीसद से कम दिव्यांगता पर नहीं मिलेगी घर बैठे मतदान सुविधा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव में अब 40 प्रतिशत से कम दिव्यांग मतदाता घर से मतदान नहीं कर सकेंगे। इसी तरह 80 वर्ष से 85 वर्ष तक की आयु वाले मतदाताओं को भी केंद्रों पर मतदान करने जाना होगा। इस बार निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले नियमों में बदलाव कर दिया है। नियमों के अनुसार 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं को घर से मतदान करने का मौका मिलेगा और दिव्यांगों की जांच कराई जाएगी। इस दौरान चुनाव अधिकारी उनके दिव्यांगता का प्रमाण-पत्र भी देखेंगे, जिसमें 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता होनी चाहिए। जांच के बाद ही उन्हें घर से मतदान का मौका दिया जा सकेगा। लोकसभा चुनाव में नए आदेश के बाद सभी बीएलओ ने अपने-अपने क्षेत्र में जांच शुरू कर दी है। दिव्यांगों की अलग से सूची तैयार कर उनके शारीरिक सत्यापन के साथ दिव्यांगता का प्रतिशत भी देखा जाएगा। जिसके बाद वह घर से डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कर सकेंगे। उपजिला निर्वाचन अधिकारी दीपक पांडे का कहना है कि 85 वर्ष से अधिक आयु वाले और दिव्यांग मतदाताओं के संबंध में सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं।

## आठ हजार प्रोफेसरों को मिलेगा 10 हजार एजीपी का लाभ, मिल सकेगा प्रमोशन

**भोपाल।** शासन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के वेतनमान में एकेडमिक ग्रेड पे (एजीपी) 10 हजार रुपए देने के प्रस्ताव की स्वीकृति दे दी है। इसका लाभ प्रदेश के कॉलेजों में पढ़ाने वाले लगभग 8 हजार प्रोफेसरों को मिलेगा। प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. कैलाश त्यागी एवं महासचिव डॉ. आनंद शर्मा ने बताया कि 2010 में ही 6 वें यूजीसी वेतनमान में एजीपी 10 हजार रुपए स्वीकृत किया गया था। हालांकि इसे साल 2012 में वापस ले लिया गया। वहीं स्वीकृति को वापस लेने के बाद प्राध्यापक संवर्ग में भेदभाव की स्थिति बनी हुई थी। इसको लेकर प्राध्यापक संघ ने लगातार आंदोलन भी किए। प्रो. शर्मा का कहना है कि एजीपी 10 हजार होने से अब प्रोफेसर को पदोन्नति का लाभ भी मिल सकेगा। वेतनमान की स्वीकृति मिलने के बाद प्रांतीय शासकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ ने सीएम मोहन यादव के साथ ही उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. केसी गुप्ता का धन्यवाद किया है।

## 'बूथ विजय अभियान'

**भोपाल।** भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार आलोक शर्मा ने 'बूथ विजय अभियान' के अंतर्गत गोविंदपुरा विधानसभा के वार्ड 73 के बूथ क्रमांक 15 प्रवास के दौरान घर घर जाकर लाभार्थियों से संपर्क किया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में संचालित जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में आये सकारात्मक परिवर्तन के अनुभव साझा किए।

### अतिथि विद्वान के तबादले:

## चॉइस फिलिंग का आज अंतिम दिन, 22 को मेरिट

**भोपाल।** उच्च शिक्षा विभाग के कॉलेजों में रिक्त पदों के विरुद्ध सेवा देने वाले अतिथि विद्वानों के स्थांतरण की प्रक्रिया जारी है। 19 मार्च तक अतिथि विद्वान चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। कॉलेजों में रिक्त स्थानों के आधार पर 22 मार्च को मेरिट जारी की जाएगी। इसके बाद 23 से 27 मार्च तक ज्वाइन होगी। ज्ञात हो कि पिछली बार नए अभ्यर्थियों के लिए भी लिंक ओपन की गई थी, लेकिन इस बार सिर्फ कार्यरत अतिथि विद्वानों के लिए विभाग ने पत्र जारी किया है।


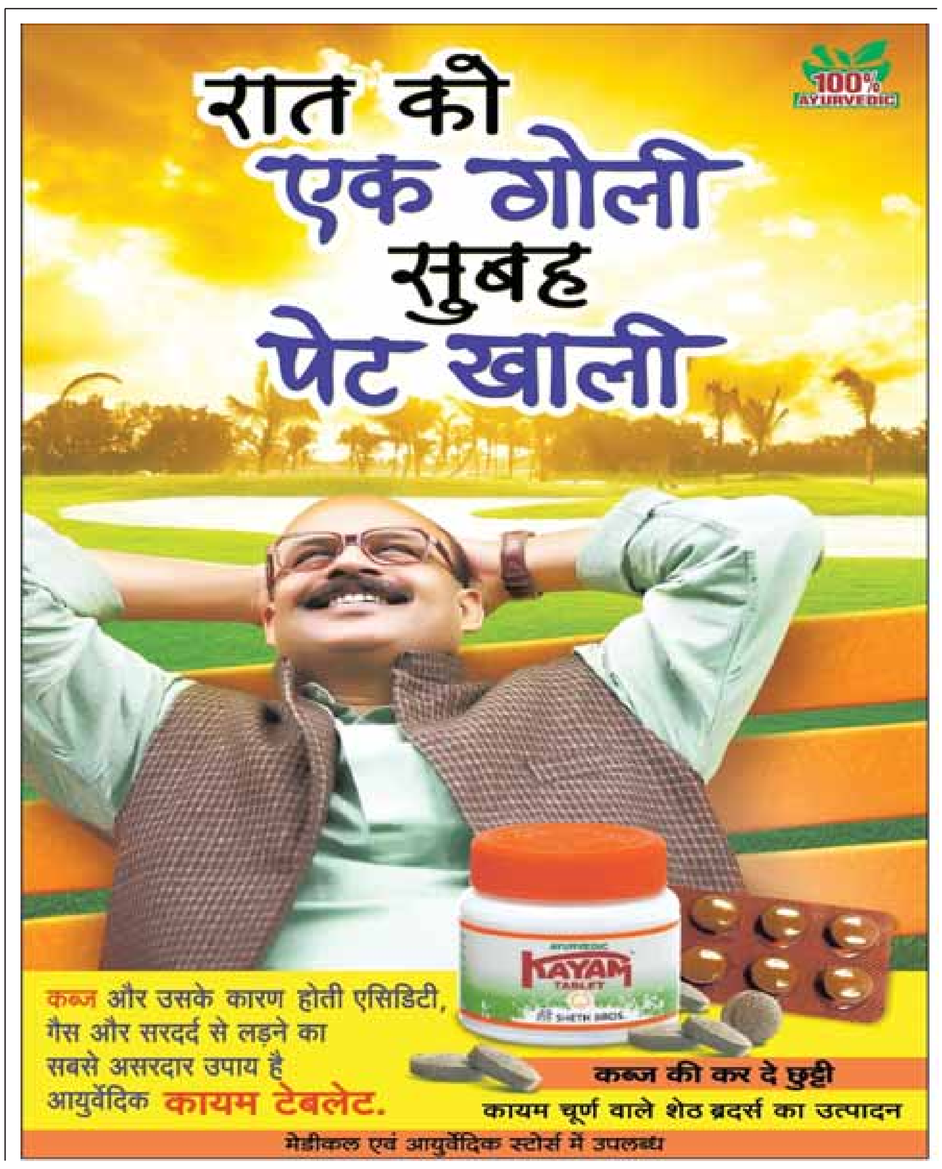



**मेट्रो एंकर**

### पचास लाख उत्तर पुस्तिकाओं की जांच पूरी

# चुनाव से पहले नतीजे देने मूल्यांकन में तेजी, जल्दी आएगा परीक्षा का रिजल्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी सहित प्रदेश के सभी जिलों में दसवीं और बारहवीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जा रहा है। करीब 25 हजार शिक्षकों को इस काम में लगाया गया है। इस बीच लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी है। जिम्मेदारों ने बताया कि इसे देखते हुए हमारी कोशिश मार्च के अंत तक मूल्यांकन पूरा करने की है। लेकिन अभी स्थिति देखते हुए अप्रेल पहले हफ्ते तक काम पूरा हो सकेगा। बताया गया कि अगर इसमें देरी होती है चुनावी कार्यक्रम के कारण नतीजे प्रभावित होंगे। ऐसे में प्राथमिकता के साथ मूल्यांकन पूरा करा नतीजे जारी किए जाएंगे। राजधानी के मॉडल स्कूल को मूल्यांकन केन्द्र बनाया गया है। यहां भी पचास फीसदी मूल्यांकन कार्य पूरा कर लिया गया है। पिछ्ले साल दसवीं बारहवीं का मूल्यांकन मई के पहले हफ्ते तक चला था। 23 मई को माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षा परिणाम में जारी कर दिया था। अभी मई में लोक सभा चुनाव होना है। ऐसे में अप्रेल में ही नतीजे जारी करने की कोशिश की जा रही है। बारहवीं के सात लाख से अधिक विद्यार्थियों को रसायन शास्त्र में बोनस के दो अंक दिए जाएंगे। इसके अलावा बारहवीं के गणित में चार प्रश्नों के आदर्श उत्तर में त्रुटि होने पर भी विद्यार्थियों द्वारा अन्य विधि से सही हल किए जाने पर भी अंक प्रदान करने के किए जाएंगे।

### पांचवीं और आठवीं की पुस्तिकाओं के मूल्यांकन शुरू

कक्षा पांचवीं और आठवीं की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन का काम शुरू हो चुका है। इसके लिए राजधानी में चार केन्द्र बनाए गए हैं। 31 मार्च तक मूल्यांकन पूरा करने का लक्ष्य है। मूल्यांकन में शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई है। जांच के लिए यह केन्द्रों में पहुंचेंगे। बताया गया बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए काम चल रहा है। यह पचास प्रतिशत पूरा हो चुका है। अप्रेल के पहले या दूसरे सप्ताह तक मूल्यांकन पूरा करने की कोशिश हो रही है।

## सुविचार

जिस व्यक्ति के पास सीमित समय है, उसके लिए असीमित दौलत के क्या मायने है।

-अज्ञात

## संपादकीय

# चुनाव से गहरी होंगी लोकतंत्र की जड़ें

लोकसभा चुनावों की तारीखें का ऐलान होने के बाद सियासत का पहिया बहुत तेजी से घूम रहा है। यह संयोग है या कुछ और, कि चुनाव ऐलान के अगले ही दिन भाजपा-एनडीऐ की बड़ी रैली आंध्रप्रदेश में हुई जिसमें पीएम मोदी मौजूद थे तो इसी दिन मुबंई में कांग्रेस व इंडिया गठबंधन की बड़ी रैली हुई जिसमें राहुल गांधी समेत कई विरोधी दल के नेता मंच पर दिखे। यानि जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी और तेज हो गई। सत्ता पक्ष और विपक्ष की इस नोक-झोंक को लोकतंत्र की खूबसूरती मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए तो भी इन चुनावों से जुड़े कई अहम पहलू हैं, जो इसे खास बनाते हैं क्योंकि 20वीं सदी का अंतिम दशक अगर राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय बन गया था तो 21वीं सदी अपने साथ स्थिरता लेकर आई है। बीते बीस साल में दो दलों की सरकारों ने दस दस साल का कार्यकाल पूरा किया है। इससे पहले भी न केवल अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई वाली सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया बल्कि उसके बाद पहले डॉ. मनमोहन सिंह और फिर नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकारों ने देश को लगातार 10-10 साल का शासन दिया। अब इस बार के चुनाव में जहां भाजपा ळ नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रह गया है। दिलचस्प बात यह है कि सत्तारूढ़ भाजपा इन चुनावों में जिन फैसलों पर सबसे ज्यादा जोर दे रही है, वे भले पांच वर्षों के मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान लिए गए हों, लेकिन उन मुद्दों से जुड़े हैं जो वर्षों नहीं, दशकों से भाजपा के मूल मुद्दों के रूप में पहचाने जाते रहे हैं। चाहे राममंदिर, अनुच्छेद 370 और सीएए की बात हो या ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर पूजा शुरू होने का मामला, यह सारे मुद्दे भाजपा के दावे को मजबूती देते हैं कि वह जो कहती है, करके दिखाती है। विपक्षी दलों ने इन चुनावों में उन लोगों को संबोधित करने और अपनी ओर खींचने की रणनीति बनाई जो भाजपा के जाने-पहचाने नैरेटिव के प्रभाव से बाहर माने जाते हैं। दूसरी तरफ इंडिया बनाकर हर सीट पर साझा प्रत्याशी खड़ा करने की सोच के पीछे यही इरादा था। मगर नीतीश कुमार की एनडीए में वापसी और ममता बनर्जी का इंडिया से बाहर रहने का फैसला इस रणनीति के आजमाए जाने से पहले ही नाकाम होने का संकेत है। बहरहाल, देखना होगा कि आगे विपक्षी दल अपना केस वोटरों के सामने कितने कारगर ढंग से रख पाते हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे मगर आजकल संचार के तमाम साधनों और सोशल मीडिया की पहुच से मतदाता यानि देशवासी जागरूक हैं। इसलिये माना जा सकता है कि उनका फैसला भी परिपक्व होगा और दूरगामी नजरिये वाला होगो। कुल मिलाकर यह आम चुनाव का भारत में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा।

## आज का इतिहास

- 1972 - भारत और बांग्लादेश के बीच में मित्रता संधि पर हस्ताक्षर किया।
- 1982 - ब्रिटेन एवं बेटिकन में 400 वर्षों के अंतराल के बाद राजनयिक संबंध स्थापित।
- 1996 - बोस्निया हर्जेगोविना की राजधानी सरायेवो का पुन~ एकीकरण।
- 1999 - यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष जैकस सांटर का अपने पद से इस्तीफ़ा।
- 2001 - तालिबान द्वारा 100 गायों की बलि, ब्रिटेन के उच्च सदन ने संगीतकार नदीम के प्रत्यर्पण का प्रस्ताव ठुकराया।
- 2004 - अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन में पहली बार चीन पर मुकदमा ठोका।
- 2005 - पाकिस्तान ने शाहीन-द्धद्ध प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया।
- 2007 - पाकिस्तान की मुख्तारन माई को यूरोपीय परिषद का मानवाधिकार सम्मान प्रदान किया गया।
- 2008 - डोनकुपर रॉय ने मेघालय के नये मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।
- **पाकिस्तान** के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ ने सबरजीत की फ़ांसी 30 अप्रैल, 2008 तक रोकी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार पर बने नये मसौदे को भारत सहित अधिकतर देशों ने खारिज किया।
- 2009 - डालर के मुक़ाबले में रुपया 93 पैसे की लम्बी छलांग लगाकर तीन सप्ताह के उच्चतर स्तर पर पहुँचा।
- 1911 - अगरचन्द नाहटा, जैन साहित्य के विशेषज्ञ तथा अनुसन्धानपूर्ण लेखक थे।
- 1943 - योगेश (गीतकार) - प्रसिद्ध भारतीय गीतकार और लेखक थे।
- 1954 - इंदु शाहानी, भारतीय शिक्षाविद।
- 1955 - दोरजी खांडू - अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे।
- 1953 - माधुरी बड़थ्वाल - उत्तराखंड के लोक संगीत से जुड़ी प्रसिद्ध लोक गायिका हैं।
- 1984 - तनुश्री दत्ता, भारतीय अभिनेत्री।
- 1884 - नारायण भास्कर खरे - मध्य प्रदेश के भूतपूर्व मख्यमंत्री।

## निशाना

### पुन: मौक़ा आया !

– कृष्णेन्द्र राय

अपने अपने ढ़ंग से ।
भर रहे हुंकार ।।
है जैसा माहौल ।
अब वैसा व्यवहार ।।
झोंक दिए हैं ताक़त ।
पुन : मौक़ा आया ।।
बैठ न सकते शांत ।
है कुर्सी की माया ।।
है जिसका जो क्षेत्र ।
धूम है मचाया ।।
है जहां तक पैठ ।
न्यौता भी भिजवाया ।।
दिन बचे कुछ शेष ।
फायदा उठाना ।।
है इच्छा स्वाभाविक ।
मिले मेहनताना ।।

नियमों की कसौटी पर कितना खरा है 'वह' बयान

# क्या 400 सीटों वाली पार्टी बदल सकती है संविधान ?

हाल में भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंत हेगड़े ने कहा है कि संविधान में संशोधन के लिए भाजपा को दो तिहाई बहुमत दिलाएं। उन्होंने कहा, हमारे पास लोकसभा में दो तिहाई बहुमत है लेकिन राज्यसभा में हमारा बहुमत नहीं है। आगामी लोकसभा चुनाव में एनडीए को 400 पार सीटें मिलने पर राज्यसभा बहुमत हासिल करने में मदद मिलेगी।संविधान संशोधन और कांग्रेस की विकृतियां हटाने के लिए दो तिहाई बहुमत चाहिए साथ ही 20 से ज्यादा राज्यों में सत्ता में आना होगा। अब उनके इस बयान पर राजनीति गरमाई हुई है।हालांकि, ऐसा नहीं है कि संविधान में अब तक संशोधन या बदलाव नहीं किया गया है। जून 1951 में संविधान में पहला संशोधन हुआ. उसके बाद यह सिलसिला लगातार चलता आ रहा है। कुल संशोधनों का औसत निकाला जाए तो हर साल करीब दो संशोधन होते हैं। मोदी सरकार अब तक आठ बड़े बदलाव कर चुकी है। मगर देश में आपातकाल के वक्त संविधान में इस हद तक बदलाव किए गए कि अंग्रेजी में इसे %कंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया% की जगह %कंस्टीट्यूशन ऑफ इंदिरा% कहा जाने लगा था। इंदिरा गांधी ने एक ही संशोधन में 40 अनुच्छेद तक बदल दिए थे। यही वजह है कि 42वें संशोधन को मिनी संविधान भी कहा जाता है।

क्या था 42वां संशोधन ~दरअसल इंदिरा गांधी के शासन में इमरजेंसी के दौरान 42वां संशोधन हुआ जो अब तक का सबसे व्यापक और विवादास्पद रहा है। उस वक्त ऐसा लगा था कि इस संशोधन के द्वारा सरकार कुछ भी बदल सकती है. यही वजह है कि इसे मिनी संविधान भी कहा जाता है. इसमें संविधान की प्रस्तावना में तीन नए शब्द- समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता जोड़े गए थे। 42वें संशोधन के सबसे विवादास्पद प्रावधानों में से एक था- मौलिक अधिकारों की तुलना में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों को वरीयता देना। इस प्रावधान के कारण किसी भी व्यक्ति को उसके मौलिक अधिकारों तक से वंचित किया जा सकता था। इस संशोधन ने न्यायपालिका को पूरी तरह से कमजोर कर दिया था। जबकि विधायिका को अपार शक्तियां मिली थीं। केंद्र सरकार को यह भी शक्ति दे दी गई थी कि वो किसी भी राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर कभी भी सैन्य या पुलिस बल भेज सकती थी। दूसरी तरफ राज्यों के कई अधिकारों को केंद्र के अधिकार क्षेत्र में डाल दिया गया। अहम बात ये थी कि किसी भी आधार पर संसद के फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। किसी विवाद की स्थिति में सांसद-विधायकों की सदस्यता पर फैसला लेने का अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति को दे दिया गया था और संसद का कार्यकाल भी पांच साल से बढ़ाकर छह साल कर दिया गया था। इस संशोधन के खिलाफ सड़क से लेकर संसद तक जमकर बवाल हुआ। सियासत गरमाई। हालांकि, 1977 में जनता पार्टी की सरकार आई और उसने इस संशोधन के कई प्रावधानों को 44वें संविधान संशोधन के जरिए रद्द कर दिया। संविधान की प्रस्तावना में हुए बदलाव से छेड़छाड़ नहीं की गई। क्यों हुआ था व्यापक बदलाव~19 मार्च 1975 को ऐसा पहली बार हुआ , जब तत्कालीन प्रधानमंत्री (इंदिरा गांधी) को कोर्ट में गवाही देने के लिए आना पड़ा। क्योंकि 1971 के लोकसभा चुनाव में रायबरेली सीट पर इंदिरा गांधी ने राजनारायण को एक लाख से भी ज्यादा वोटों से हरा दिया था। राजनारायण ने गलत तरीकों से चुनाव जीतने का आरोप लगाकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की। 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनाव में भ्रष्टाचार के आरोप में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रायबरेली चुनाव को अवैध तथा इंदिरा गांधी को 6 साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य करार दिया। विपक्षी दलों ने इंदिरा से इस्तीफा देने की मांग तेज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के निर्णय पर स्टे दे दिया लेकिन पार्टी में भी एक खेमा इंदिरा से नैतिकता के आधार पर इस्तीफे की आवाज उठाने लगा। दूसरी ओर जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विपक्ष दिल्ली की सड़कों पर उतर आया। यह पहला मौका था जब किसी प्रधानमंत्री के खिलाफ इतनी बड़ी रैली निकली व %सिंहासन खाली करो कि जनता आती है% जैसे नारे गूंजने लगे। इस्तीफा का दबाव बढ़ा तो इंदिरा ने देश में इमरजेंसी लागू करने की तैयारी कर ली. राष्ट्रपति ने 25 जून 1975 की रात 11 बजकर 45 मिनट पर संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत देश में आंतरिक आपातकाल की घोषणा पर हस्ताक्षर किए। अगले दिन सुबह 6 बजे इंदिरा गांधी ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई और उसमें आंतरिक खतरों से निपटने के लिए ऐसा करना बेहद जरूरी बताया।

**संशोधन तीन तरह के :** देश के संविधान में तीन तरह के संशोधन होते हैं. इनमें से दूसरे और तीसरे तरह के संशोधन अनुच्छेद 368 के तहत आते हैं।

1. ऐसे विधेयक जो संसद (लोकसभा और राज्यसभा) से साधारण बहुमत से पारित किए जाए। **2**. ऐसे विधेयक जो संसद द्वारा संविधान के अनुच्छेद 368 (2) के मुताबिक विशेष (दो तिहाई) बहुमत से पास किए जाते हैं। **3**. ऐसे विधेयक जो संसद से विशेष बहुमत से पारित हैं और जिनके लिए कम से कम आधे राज्य विधान मंडलों का समर्थन जरूरी है।अनुच्छेद 368 के मुताबिक, संसद को संविधान के किसी भी प्रावधान में बदलाव करने का अधिकार है. इसके लिए संसद में विशेष बहुमत के वोट की जरूरत होती है. संविधान में संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में 2/3 बहुमत होना जरूरी है. दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक को राष्ट्रपति के सामने अनुमति के लिए रखा जाता है. राष्ट्रपति को संविधान संशोधन पर अनुमति देनी होती है. संविधान संशोधन विधेयकों के लिए संयुक्त अधिवेशन की प्रक्रिया लागू नहीं होती है. अगस्त 2023 तक देश के संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं।

संविधान में बदलाव के लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत के साथ-साथ दो-तिहाई राज्यों में भी जीत हासिल करना जरूरी है. संसद के दो तिहाई बहुमत और आधे राज्यों के विधान मंडल का साधारण बहुमत द्वारा उस विधेयक को पारित कर राष्ट्रपति की सहमति के लिए भेजा जाता है, जो इसे पुनर्विचार के लिए वापस नहीं भेज सकते हैं. अनुच्छेद 368 के तहत संविधान संशोधन विधेयक को सिर्फ राज्य विधानमंडलों में साधारण बहुमत की जरूरत होती है।

**साभार :** यह लेखक के अपने विचार हैं।

# कितना व्यवहारिक है एक राष्ट्र एक चुनाव का विचार ?

■ जयसिंह रावत

एक राष्ट्र एक चुनाव'' की संभावनाओं और तौर तरीकों पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति सक्रीय रही है। समिति समाज के विभिन्न वर्गों, संविधान और कानून विशेषज्ञों, निर्वाचन आयोग तथा शासन प्रशासन में बैठे लोगों के साथ ही असली स्टेक हाल्डर्स राजनीतिक दलों से निरन्तर विमर्श कर रही है।इस विचार के समर्थकों और विरोधियों के अपने-अपने तर्क हैं। इस संदर्भ में 1951-52 में हुए भारत के पहले आम चुनाव का उदाहरण भी देश के समक्ष है जिसमें न केवल लोकसभा बल्कि राज्य की विधानसभाओं, विधान परिषदों, राज्यसभा और यहां तक कि उसी दौरान राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के चुनाव भी सम्पन्न कराए गए थे।जीवन रेड्डी की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने 1999 में अपनी 117 वीं रिपोर्ट में तथा विभिन्न संसदीय समितियों ने देश में एक साथ चुनाव कराने की सिफारिशें की थी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या इस विचार को धरातल पर उतारना आज की परिस्थिति में इतना आसान है?

यह सही है कि वर्ष 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए। लेकिन आज परिस्थितियां बिल्कुल वैसी नहीं हैं। एक साथ चुनाव की व्यवहार्यता पर सवाल उठ रहे हैं कि यदि एक साथ चुनाव होते हैं तो पहले चुनाव में उन विधानसभाओं का क्या होगा जिनका निर्धारित कार्यकाल या तो चुनाव कराने की प्रस्तावित तिथि से पहले या बाद में समाप्त होता है। यह भी सवाल है कि क्या लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल तय होना चाहिए? यदि कार्यकाल के बीच में उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी तो क्या होगा? यदि सत्तारूढ़ दल या गठबंधन लोकसभा या विधानसभाओं में कार्यकाल के बीच बहुमत खो देता है तो क्या होगा? चूंकि परिस्थितियां बदलती रहती हैं और एक धारणा को पकड़कर बैठे रहने से जड़ता आती है, इसलिए नई सभावनाओं की तलाश के रास्ते सदैव खुले रहने ही चाहिए।लोकसभा से लेकर स्थानीय निकायों तक सभी चुनावों पर लगभग 10 लाख करोड़ रुपये का खर्च आता है, जिसे मतदान की अवधि घटाकर 3 से 5 लाख करोड़ रुपये तक कम किया जा सकता है। राव के अनुसार, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव पर 1.20 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है, वहीं सभी विधानसभा चुनाव एक साथ होने पर 3 लाख करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं।

देश में कुल लगभग 4,500 विधानसभा सीटें हैं। लोकसभा में 29 अगस्त 2011 को सरकार की ओर से बताया गया था कि 2009 के लोकसभा चुनाव में कुल 11135,45,000 रुपये खर्च हुए थे। चुनावों पर घोषित से कहीं अधिक अघोषित धन खर्च होता है जिसका कहीं हिसाब नहीं होता और यही असली भष्टाचार की गंगोत्री होती है।

जाहिर है जिस तरह से आंकड़े हैं एक साथ चुनाव से धन की बचत हो सकती है, क्योंकि सुरक्षा, रसद और प्रशासन से संबंधित खर्च कम हो जाएंगे।एक साथ चुनाव के पक्ष में यह भी तर्क है कि बार-बार चुनाव सरकारी मशीनरी के सामान्य कामकाज को बाधित करते हैं। एक साथ चुनाव शासन के लिए अधिक स्थिर वातावरण प्रदान करते हैं, जिससे निर्वाचित प्रतिनिधियों को लगातार चुनाव प्रचार की स्थिति में रहने के बजाय अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलता है।

इससे मतदाताओं में अधिक उत्साह हो सकता है क्योंकि उन्हें कई बार के बजाय कुछ वर्षों में केवल एक बार चुनाव में जाने की आवश्यकता होगी। इससे चुनाव प्रचार की अवधि कम हो सकती है, जो भारत में काफी लंबी होती है। ऐसा भी मत है कि चुनावों में धन और बाहुबल के प्रभाव को सीमित किया जा सकता है। तर्क यह भी है कि इससे बेहतर नीति निरंतरता और दीर्घकालिक योजना की संभावना है, क्योंकि सरकारों के पास अधिक स्थिर कार्यकाल होंगे। बार-बार चुनावों के कारण चुनाव वाले राज्य या चुनाव वाले क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है जिस कारण सरकारों के संपूर्ण विकास कार्यक्रम और गतिविधियां रुक जाती हैं।

**ईवीएम पर ही खर्च होंगे हजारों करोड़ :** राष्ट्रव्यापी चर्चाओं के बावजूद 1967 के बाद पटरी से उतरी हुई एक साथ चुनाव की गाड़ी पुनः पटरी पर नहीं लौट सकी। स्वयं भारत निर्वाचन आयोग ने महसूस किया कि एक साथ चुनाव कराने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीनों की बड़े पैमाने पर खरीद की आवश्यकता होगी। एक साथ चुनाव कराने के लिए आयोग को उम्मीद है कि ईवीएम और वीवीपैट की खरीद के लिए आज की दर पर कुल 9284.15 करोड़ रुपये की जरूरत होगी। मशीनों को हर पंद्रह साल में बदलने की भी आवश्यकता होगी जिस पर फिर से व्यय करना होगा। इसके अलावा, इन मशीनों की भंडारण लागत में वृद्धि होगी।

**सबसे बड़ी अड़चन संवैधानिक प्रावधान :** देखा जाए तो एक साथ चुनाव लागू करने के लिए सबसे बड़ी अड़चन संवैधानिक है जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का निर्धारित कार्यकाल सबसे बड़ा बाधक है, इसलिए सबसे पहले मौजूदा प्रावधानों में महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता होगी। एक साथ चुनाव के लिए विधानसभाओं के कार्यकाल लोकसभा के र्काकाल के अनुरूप बनाने होंगे और इसके लिए किसी का कार्यकाल घटाना और किसी का बढ़ाना पड़ सकता है जो कि संविधान संशोधन के बिना संभव नहीं है। आम चुनावों के दौरान भारत की चुनावी मशीनरी पर भारी बोझ पड़ सकता है। इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था, मतदान केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और कर्मियों सहित बड़े पैमाने पर प्रयास की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय स्तर पर इसका समन्वय करना भी एक कठिन कार्य है। भारत एक विविधतापूर्ण देश है, जिसके विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में विशिष्ट सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक परिस्थितियां हैं। एक साथ चुनाव कराने में या तो राष्ट्रीय मुद्दे और या फिर क्षेत्रीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। क्षेत्रीय दलों का जन्म ही विकास की क्षेत्रीय आवश्यकताओं और क्षेत्रीय अस्मिता के लिए होता है, इसलिये क्षेत्रीय दलों को चुनावों में प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो सकता है।

एक आशंका यह भी है कि एक साथ चुनाव सत्ता को केंद्रीकृत कर सकते हैं और भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के संघीय ढांचे को कमजोर कर सकते हैं, क्योंकि चुनाव कब कराने हैं, यह केन्द्र सरकार पर निर्भर करेगा।

**साभार :** यह लेखक के अपने विचार हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार स्वीप गतिविधियाँ प्रारंभ

# युवा भावी मतदाता ही लोकतंत्र की पहचान है विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता संपन्न

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

लोकसभा चुनाव की निर्वाचन आयोग द्वारा की गई घोषणा के परिप्रेक्ष्य में जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार स्वीप गतिविधिया शुरू कर दी गई है। शासकीय गृह विज्ञानमहाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता की श्रृंखला में युवा एवं भावी मतदाता ही लोकतंत्र की पहचान है विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वीप नोडल अधिकारी सोजान सिंह रावत ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि स्वीप गतिविधि के तहत जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी डॉ.हर्षा चचाने, केम्पस ऐम्बेसेडर पूजा गोस्वामी, शिवानी धुर्वे के मार्गदर्शन में युवा एवं भावी मतदाता ही लोकतंत्र की पहचान है विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को मतदान में सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया ताकि जिले में युवाओं की सक्रिय सहभागिता से शतप्रतिशत मतदान हो। विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया कि वे अपनी सहभागिता से अपने वार्ड/ग्राम में सभी को मतदान करने के लिए जागरूक करे। कार्यक्रम में कार्यक्रम के संयोजक डॉ.चंद्रशेखर राज, शैलेन्द्र तिवारी, अनिल रजक, श्रीमती किरण विश्वकर्मा ने सराहनीय भूमिका रही। निर्णायक के रूप में डॉ.श्रुति गोखले, डॉ.कंचन ठाकुर एवं प्रेमकांत कटंगवार उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में पक्ष में प्रथम स्थान स्वास्तिक रावत माखननगर, द्वितीय स्थान आदित्य परसाई इटारसी, तृतीय स्थान रक्षा कलोसिया नर्मदापुरम एवं विपक्ष में प्रथम स्थान दीपिका दुबे इटारसी, द्वितीय स्थान हेमालिका शर्मा नर्मदापुरम एवं तृतीय स्थान अनुज सोनी नर्मदापुरम को मिला। इस अवसर पर कार्यक्रम समापन के पश्चात पक्ष एवं विपक्ष में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

25 मार्च तक वोटर्स लिस्ट में नाम जुडवाएं, ऑनलाइन आवेदन करें

# अधिकारी एवं कर्मचारी बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे: कलेक्टर

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना ने लोकसभा चुनाव की तैयारी संबंधी बैठक ली। बैठक में उन्होंने सभी एआरओ एवं नोडल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि वे अपने दायित्वों का तत्पर्ता से निर्वहन करे और फील्ड में सक्रियता दिखाऐं। कलेक्टर नें कहा कि मतदान तक किसी भी अधिकारी को जब तक कोई गंभीर स्थिती न हो तब तक अवकाश की अनुमति नहीं दी जाएगी। अधिकारी मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे, कोई वाजिब कारण हो तभी अवकाश की अनुमति लेवे।

कलेक्टर नें सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे संपत्ति विरूपण की कार्यवाही में तेजी लाऐं। बिजली पोल, बस स्टैंड, सार्वजनिक दीवार, रेल्वे स्टेशन, युरिया के बोरो, थैलों, ग्राम पंचायत भवनों, एवं ऐसी किसी भी स्थान पर जहां राजनीतिक दल य अभ्यर्थी या राजनीतिक से संबंधित यदि कोई होर्डिंग, बैनर पोस्टर या दीवार लेखन है तो उसे तत्काल हटाए।

कलेक्टर नें कहा कि शासकीय सेवक पूर्ण निष्पक्षता से कार्य करें। सभी अधिकारी चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई आचार संहिता का अक्षरशः पालन करें। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र का प्रशासनिक अमला किसी भी तरह की राजनीतिक गतिविधियां करता न दिखे। सभी लोग सतर्कता बरतें।

कलेक्टर नें निर्देश दिये कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नाम मतदाता सूची से अनिवार्य रूप से जुड़े होने चाहिये। 25 मार्च तक अधिकारी एवं कर्मचारी अपने नाम मतदाता सूची से जुडवा सकेंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि 23 मार्च तक सभी कार्यालय प्रमुख इस आशय का प्रमाण पत्र देंगे कि उनके अधीनस्थ सभी कर्मचारियों के नाम मतदाता सूची से जुड चुके है।

कलेक्टर नें सभी एआरओ को निर्देश दिये कि वे पीडब्लूडी वोटर्स एवं 85+ वोटर्स का चिन्हांकन कर लें। सभी सेक्टर अधिकारियों के साथ बैठक करे। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि सभी सेक्टर अधिकारी मतदान केंद्रों का भ्रमण कर मतदान केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं जैसे रेम्प, बिजली, टायलेट्स, रूट का अध्ययन अवश्य कर लें।

कलेक्टर नें निर्देश दिये कि सी-विजिल एप, जिला स्तरीय कंट्रोल रूम एवं शिकायत नं 1950 पर प्राप्त शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से करे। कलेक?टर ने कहा कि सभी अधिकारी अपना पूरा फोकस चुनाव में लगाये। ब्लॉक लेवल बैठक कर आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता की ट्रेनिंग सुनिश्चित कराऐ। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि अधिकारी जो भी कार्यवाही एवं भ्रमण करते हैं उसकी वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से कराए। वीडियोग्राफी में दिनांक एवं समय का उल्लेख अवश्य कराऐं।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आचार संहिता की अवधि में सांसद एवं विधायक निधि तथा स्वेच्छानुदान के कार्य नहीं होगे। जो कार्य पूर्व से ही शुरू हो चुके हैं उन पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा कि जो निर्माण कार्य आचार संहिता लगने के 48 घंटे पूर्व शुरू हुए है उसकी सूची अधिकारीगण निर्वाचन आयोग को भेजना सुनिश्चित करे।

कलेक्टर ने निर्देश दिये कि एआरओ तहसील स्तर पर मीडिया के साथ मीटिंग अनिवार्य रूप से कर लें। साथ ही जो भी धार्मिक एवं सामाजिक संगठन है, उनकी बैठक लेकर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए की आगामी ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्था भी मजबूत होनी चाहिए। नल जल योजनाएं जहां पर पूर्व से संचालित है वह बंद तो नहीं हुई है अधिकारी प्राथमिकता से देखें। शहरी क्षेत्र में भी नगर पालिका अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे की पेयजल की कमी ना रहे पूर्व से ही जो कार्य जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत हैं वह चालू ही रहे कलेक्टर ने बताया कि आज से 10 खरीदी केंद्र खोले गए हैं। उन्होंने वेयरहाउस का सत्यापन कार्य जल्द ही पूरा करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहां की कम्युनिकेशन प्लान के तहत पूर्व से बने हुए प्लान में यदि कोई अधिकारी कर्मचारी का स्थानांतरण हो गया है तो नये आए हुए लोगों के नाम कम्युनिकेशन प्लान में जोड़े। बैठक में कलेक्टर नें स्वीप गतिविधीयों पर आधारित पंपलेट का विमोचन किया।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डीके सिंह, नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे, सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

## हथियारों के प्रदर्शन एवं हथियारों को लेकर चलने पर रहेगा प्रतिबंध

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

संपूर्ण देश के साथ नर्मदापुरम जिले में 16 मार्च 2024 से लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के साथ ही आचार संहिता प्रभावशील हो गई है, आचार संहिता निर्वाचन प्रक्रिया की समाप्ति तक प्रभावशील रहेगी। उक्त परिप्रेक्ष्य में जिला दंडाधिकारी नर्मदापुरम सोनिया मीना ने हथियारों के प्रदर्शन, हथियारों को साथ लेकर चलने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया है। जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि यह आदेश कानून एवं व्यवस्था के कार्य में लगे पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, कार्यपालिक दण्ड अधिकारियों, बैंक, सुरक्षा एजेंसियों में कार्यरत कर्मचारियों एवं अन्य लोक सेवकों पर प्रभावी नही होगा। इसके अलावा जिले की सीमा क्षेत्रांतर्गत किसी भी सार्वजनिक स्थल पर आग्नेयास्त्रों एवं अन्य घातक हथियारों को लेकर कोई भी व्यक्ति न तो चलेगा और न ही उनका प्रदर्शन करेगा।

## समूह बनाकर लोन लिया, 70 लाख रुपए लेकर महिला फरार

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

नगर में एक धोखाधड़ी का मामला उस समय सामने आया जब कुछ महिलाएं एक शिकायती आवेदन लेकर सिवनी मालवा एसडीओपी कार्यालय पहुंची। महिलाओं द्वारा ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि नगर में एक महिला पूजा दुबे ने समूह के नाम पर लोन दिलवाकर, समूह की महिलाओं के रुपये लेकर फरार हो गई है। मामले में समूह की महिलाओं ने सिवनी मालवा थाने में कार्रवाई किये जाने को लेकर आवेदन दिया है ।

एसडीओपी कार्यालय पहुंची महिलाओं ने बताया की पूजा दुबे नामक महिला जिसका पति सिवनी मालवा आईटीआई में भृत्य के पद पर पदस्थ है। वो सभी महिलाओ के आईटीआई में ही एकत्रित कर उनका समूह बनवा कर लोन दिलवाती थी। उसने लगभग 11 बैंक जिनमे आईडीएफसी, एचडीएफसी, बीएसएस माइक्रो फायनेंस, फ्यूज़न, अन्नपूर्णा, बंधन, भारत फायनेंस, एचडीबी फायनेंस, तरासना सहित विभिन्न फाइनेंस कंपनियों से ऋण उपलब्ध कराया। सभी समूह की महिला पूजा दुबे को ही किश्त के पैसे देती थी कुछ दिनों तक महिला के द्वारा बराबर पैसे जमा किये गए। बाद में सभी के पैसे लेकर महिला फरार हो गई।

**समूह की महिलाओं ने लगाई न्याय की गुहार**

जब बैंक वाले समूह की महिलाओं के पास किश्त की राशि मांगने पहुंचे तो समूह की महिलाएं आईटीआई स्थित पूजा दुबे के घर पहुंची। तो पता चला कि महिला घर छोड़कर फरार हो गई है। पति से पूछने पर उसने कहा की मुझे नहीं पता की वो कहाँ है। इसके बाद महिलाओं ने सिवनी मालवा थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। महिलाओं ने बताया की पूजा दुबे लगभग 250 महिलाओं के पैसे जो की लगभग 70 लाख रूपये थे लेकर गई है। जब इस पूरे मामले में हमने थाना प्रभारी उषा मरावी से बात की तो उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले की जांच की जा रही है उसके बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

## लिखित अनुज्ञा के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रहेगा प्रतिबंध: कलेक्टर

**नर्मदापुरम।** भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2023 के कार्यक्रम 16 मार्च को घोषित किये हैं। उक्त परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सोनिया मीना ने लोकसभा आम निर्वाचन कार्य समाप्ति तक की अवधि के लिए नर्मदापुरम जिले की समस्त सीमा क्षेत्र की परिधि में सम्मिलित क्षेत्र को कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र अर्थात सायलेंस जोन घोषित किया है। इस दौरान विहित प्राधिकारी की लिखित अनुज्ञा के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। कलेक्टर ने जिले के सभी अनुविभागीय दंडाधिकारियों, तहसीलदार एवं अतिरिक्त/नायब तहसीलदारों को उनके मुख्य क्षेत्रांतर्गत विहित अधिकारी घोषित किया है।

आदेश में उल्लेखित है कि आमसभा, जुलूस एवं प्रचार कार्य के लिए लाउडस्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक दी जा सकेगी, उक्त अनुमति मतदान दिनांक के 48 घंटे पूर्व तक ही प्रदान की जा सकेगी। ट्रक, जीप, टेंपो, ऑटो रिक्शा तांगा आदि वाहनों से चुनाव प्रचार-प्रसार की अनुमति आवेदन करने पर ही दी जाएगी। आवेदन पत्र में वाहन के पंजीयन क्रमांक का उपयोग अनिवार्य होगा। बिना अनुमति लाउडस्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्र द्वारा प्रसारण एवं प्रचार-प्रसार करने पर या अनुमति में निर्देशित अवधि के पश्चात लाउडस्पीकर या संबंधित उपकरण के उपयोग की दशा में जब्त कर नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

## चार पहिया वाहनों की चेकिंग के साथ चालानी कार्रवाई

**सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो**

आचार संहिता लगने के बाद प्रशासनिक अमला भी अलर्ट मोड पर अपना मोर्चा संभाले हुए हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा बीती रात चार पहिया वाहनों की सघन चेकिंग नंदनवाड़ा चौराहा पर की गई। इस वाहन चेकिंग के दौरान थाना प्रभारी उषा मरावी अपने दलबल के साथ पर वाहन चेकिंग कर रही थी इस दौरान कई वाहनों में लगी हुई काली फिल्मों को निकाला गया। वाहनों में अवैध तरीके से लगे हुए हूटर की चेकिंग की गई इसके अलावा कई वाहनों के चालान काटे गए। अगर आप भी काली फिल्म लगाकर घर से बाहर जा रहे हैं तो सावधान और सचेत हो जाएं अपनी कर के ऊपर लगी हुई काली हरि फिल्मों को निकाल ले पूरी तरह से कागजात कंप्लीट रखें और अपनी शान शौकत बढ़ाने के लिए अपने वाहन में अवैध तरीके से लगाए गए हूटर भी निकाल कर अपने घरों में रख ले आपकी सजाता से आप चालानी कार्रवाई से बाच भी सकते हैं।

## अवकाश दिवसों में भी अपने कार्यालय में आवश्यक व्यवस्था करें

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

लोकसभा चुनाव की निर्वाचन आयोग द्वारा घोषणा गत दिन 16 मार्च को कर दी गई है। जारी घोषणा के अनुसार देश में 7 चरणों में चुनाव कराए जायेंगे। चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम सोनिया मीना ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के परिप्रेक्ष्य में आदेश जारी कर तत्काल प्रभाव से समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आदेश में यह स्पष्ट किया है कि समस्त कार्यालय प्रमुख यह भी सुनिश्चित करे कि उनके अधीनस्थ अधिकारी/कर्मचारी भी बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त किये अवकाश पर नहीं जाए। साथ ही कार्यालय प्रमुख अपने कार्यालय में एक निर्वाचन कार्य प्रकोष्ठ स्थापित कर कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारियों की तैनाती करे जो अवकाश दिवसों में भी क्रियाशील रहे यह सुनिश्चित किया जाए। आदेश की अवहेलना पाई जाने पर संबंधित के विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत सख्त कार्यवाही की जाएगी।

**मेट्रो एंकर** जिला पंचायत सीईओ ने किया सिवनी मालवा के वनांचल पंचायतों का निरीक्षण

# निर्माण कार्य बंद होने से दिया कारण बताओ नोटिस

**सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो**

आगामी लोकसभा की तैयारीओ को देखते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ नर्मदापुरम द्वारा सिवनीमालवा की वनांचल की ग्राम पंचायत पीपलगोटा, बारासेल, केवलाझिर के ग्रामो में भ्रमण कर मतदान केंद्र सहित नल जल योजना के कार्य, आंगनवाड़ी केंद्र, मनरेगा योजना के स्टॉप डेम, सामुदायिक भवन, गौशाला व अन्य कार्यो का निरीक्षण किया।

बारासेल के बैठ ग्राम के ग्रामीणों की मोरन नदी के कारण आने वाली समस्या को जाना गया। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पँचायत रावत द्वारा सबसे पहले ग्राम पंचायत पीपलगोटा के सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया गया। भवन का कार्य बंद होने के कारण नाराजगी व्यक्त की गई एवं 15 दिवस में कार्य पूर्ण करने के निर्देश सचिव ग्राम रोजगार सहायक व उपयंत्री को दिए , पीपलगोटा में माध्यमिक शाला में बनाए गए मतदान केंद्र का निरीक्षण किया गया एवं वहां पर रैंप सुधारने के निर्देश दिए गए ग्राम पंचायत में स्कूल के पास बंद हैंडपंप को सुचारू करने की निर्देश दिए गए एवं पीएचई विभाग द्वारा बिछाये जा रहे नल जल पाइप लाइनें के कार्य को देखा गया । बारासेल के ग्राम बैठ में ग्रामीणों को मोरनी नदी के कारण आवागमन में आ रही समस्या के निराकरण हेतु स्थल का भ्रमण किया गया एवं नदी पर बनने वाले रिपटे के निर्माण की प्रगति की जानकारी ली गई ग्राम पंचायत बारासेल की ग्राम भावंदा में प्राथमिक शाला आंगनबाड़ी केंद्र आदि का निरीक्षण किया गया साथ ही आरोग्य केंद्र भी देखा गया पीपल गोटा में मनरेगा योजना अंतर्गत बनाए गए स्टाफ डैम का निरीक्षण किया गया एवं ग्रामीणों को इससे होने वाले लाभ की जानकारी ली गई ग्राम पंचायत में मनरेगा योजना अंतर्गत किए गए अन्य कार्यों का निरीक्षण भी किया गया ग्राम पंचायत केवलाझीर में मनरेगा योजना अंतर्गत बन रही गौशाला का निरीक्षण किया गया। गौशाला का कार्य विगत कई दिनों से रुका होने के कारण संबंधित कार्य एजेंसी सरपंच ग्राम रोजगार सहायक सचिव को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए इसी तरह ग्राम पंचायत पीपलगोटा एवं बारासेल में भी मनरेगा योजना की प्रगति खराब होने व अन्य विभागीय कार्यों में भी प्रगति अच्छी न होने के कारण उक्त ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए जिला पंचायत में तीन दिवस में उत्तर के साथ उपस्थित होने को निर्देशित किया गया। इस दौरान जनपद सीईओ श्रुति चौधरी, एई रूपेश नागले, सब इंजीनियर आदित्य स्वामी,राकेश नागर,पीसीओ अनुप माछीया, सचिव संजय दुबे,जीआरएस प्रदीप तेकाम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

### मनरेगा में काम करने को राजी नहीं होते हैं मजदूर

ग्राम पंचायत स्तर पर मनरेगा के तहत कोई भी मजदूर काम करने के लिए आसानी से तैयार नहीं होता है। सूत्रों की माने तो मनरेगा के तहत मजदूरों को दी जाने वाली राशि का भुगतान दो-दो महीने तक नहीं होता है वही मजदूरी करने वाले मजदूर को 221 रुपए के हिसाब से मजदूरी दी जाती है जिसके लिए कोई भी मजदूर काम करना पसंद नहीं करता है वही बाहर प्राइवेट मजदूरी 300 से ऊपर मजदूरों को मिलती है अब इस दशा में ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत कई काम अटके पड़े हुए हैं।

## मंडी रोड पर 3 बजे से 6 बजे तक जाम ने किया बेहाल

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।** कृषि उपज मंडी में सोमवार को रविवार के अवकाश के बाद मंडी में कामकाज हुआ फसल बेचने के बाद जैसे ही किसान अपने वाहनों को लेकर वापस लौटे तो 3 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक मंडी बाईपास रोड पर जाम के कारण वाहन चालकों की हालत खराब हो रही थी दौड़ने की जगह पर रेगहते हुए दिखाई दे रहे थे ।कड़ी मेहनत के बाद वाहनों को निकालने का काम किया जा रहा है ।सबसे ज्यादा परेशानी बस स्टैंड से लेकर एचडीएफसी बैंक तक बनी हुई थी यहां पर तो बाहर निकलना सबसे कठिन काम हो रहा था मंडी से आने वाले वाहनों को निकलने में भी परेशानी हो रही थी इस समस्या के समाधान के लिए समय पर यातायात पुलिस कर्मी नहीं पहुंचे जाम लगने के उपरांत इस व्यवस्था को बनाने का काम जरूर यातायात पुलिस के द्वारा किया गया पहले से समस्या के समाधान के लिए धरातल पर काम नहीं होने से समस्या विकराल रूप लेती जा रही है।

## बैनर-पोस्टर हटाने में पक्षपात, आचार संहिता को गंभीरता से नहीं ले रहे कर्मचारी

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

लोकसभा चुनाव 2024 का बिगुल बज चुका है जहां एक और चुनाव आयोग द्वारा तारीखों का ऐलान कर देशभर में आचार संहिता लागू हो गई है तो वही प्रशासन भी एक्शन के मूड में दिखाई दे रहा है समूचे देश में आचार संहिता लागू होते ही बैनर पोस्टर और होर्डिंगस के हटने का काम शुरू हो गया है लेकिन सिरोंज में कर्मचारी आचार संहिता को हल्के में ले रहे हैं और बैनर पोस्टर हटाने में पक्षपात रूपी कारवाही देखने को मिल रही है जहां एक और शासकीय जगह से बैनर पोस्टर हटाए गए हैं वहीं अब भी कई ऐसी जगह हैं जहां पर कर्मचारियों ने नरमी दिखाई है सिरोंज के मेंन मार्केट में अभी भी निजी स्कूलों के बैनर बखूबी टंगे हुए देखे जा सकते हैं इतना ही नहीं रिटर्निंग ऑफिसर के ऑफिस के आसपास भी सरकारी संपत्ति पर प्रचार सामग्री लगी हुई है, कर्मचारियों के द्वारा अगर इस तरह की लापरवाही अपनाई गई तो चुनाव आयोग की मंशा अनुसार किस तरह चुनाव संपन्न हो पाएंगे।

## स्तुति अग्रवाल ने साहित्य अकादमी फेस्टिवल ऑफ लेटर्स में लिया हिस्सा, गुलज़ार से हुई मुलाकात

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

साहित्य अकादमी दिल्ली में 11 मार्च से 16 मार्च तक दुनिया के सबसे बड़े साहित्योत्सव का आयोजन किया गया जिस में 150 सेशन में 175 भाषाओं के 1100 से ज्यादा साहित्यकारों ने हिस्सा लिया। साहित्योत्सव का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों हुआ। इस फेस्टिवल ऑफ लेटर्स में एक सिंपोजियम उर्दू आलोचक पदम भूषण प्रोफेसर गोपी चंद नारंग पर आयोजित किया गया जिस में सिरोंज की साहित्यकार स्तुति अग्रवाल ने अपने पिता अनिल अग्रवाल के साथ हिस्सा लिया। वापसी पर स्तुति बताती हैं कि प्रो गोपी चंद नारंग जी के साथ काम करने का सौभाग्य मुझे भी हासिल हुआ है। जब वो अमेरिका में थे तो उन्होंने मेरे लिए एक शाल और सैफी लाइब्रेरी के लिए कीमती किताबें भिजवाई थी। वो उन हस्तियों में हैं जिन्होंने मजहब की दीवारों को तोड़ कर यह साबित किया है कि उर्दू किसी की जागीर नहीं है। वो अपने छोटों से भी बहुत मोहब्बत करते थे। उन्होंने आगे बताया कि डॉक्टर सैफी सिरोंजी ने उन पर तीन किताबें लिखी हैं और अपनी पत्रिका इंतेसब का विशेष अंक भी प्रकाशित किया है। यह मेरे लिए बड़ा फख्र है कि आज में उनकी याद में आयोजत सिंपोजियम में हिस्सा लेकर उनकी धर्म पत्नी मनोरमा नारंग को पत्रिका आलमी जबान का गोपी चंद नारंग विशेष अंक और फिल्म निर्देशक गुलज़ार को उन पर किया अपना अनुवाद पेश कर सकी।

### युवाओ ने व्यवसाय के साथ गरीब बच्चों को शिक्षा प्रदान करने एंव उनकी प्रतिभा को उभारने का लिया संकल्प

# गरीब असहाय बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य: नीरज जैन

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

नगर के 15 लोगो की टीम ने अपने पूरे जस्बे के साथ समाजसेवा के लिए समर्पित होकर विध्यांचल पर्वत श्रंखला पर जो कि आरोन रोड स्थित जैन तीर्थ क्षेत्र नसिया जी के सामने लगभग 6 बीघा जमीन में सिर्फ दो वर्ष के अंदर एक आकर्षक स्कूल शहरवासियो व समाज की सेवा के लिए समर्पित किया। संत सुधा सागर इंटरनेशनल स्कूल का उद्घाटन जब हुआ और शहर के नागरिको जब यह मालूम पड़ा कि सिर्फ दो वर्षो में एक इतना बडा प्रोजेक्ट बनाकर तैयार किया गया। वैसे तो समाज सेवा कई लोग करते है लेकिन यह समाज सेवा 15 लोगो की उस टीम ने एक विचारधारा रखकर शिक्षा के माध्यम से ऐसे कई गरीब निर्धन असहाय बच्चो को एक मंच पर लाकर उन प्रतिभाओं को सजाकर और समांलकर राष्ट्रीय स्तर पर उनकी प्रतिभाओं को निखारने का मौका दिया जाएगा। जब इस 15 लोगो की टीम से बात कि गई तो टीम के सदस्यो ने बताया कि व्यवसाय और पैसा एक अलग चीज है लेकिन षिक्षा के क्षेत्र में गरीबो के लिए काम करने का जो मौका मिलेगा उससे हम अपने आपको धन मानेगें। वही टीम का कहना यह भी है कि समाज में ऐसा तवका भी है जो सब कुछ होते हुए भी उन गरीब तबके के बच्चो को पैसो के अभाव में शिक्षा के क्षेत्र में पीछे छोड दिया जाता है। यदि उन बच्चो को थोडा सा किसी का सहारा मिल जाए तो वह बच्चे आईएएस से लेकर आईपीएस भी बन सकते है। टीम ने संकल्प लिया है कि हम ऐसी प्रतिभाओं को खोजकर लाएगें और उन्हें षिक्षा के क्षेत्र में उच्च षिखर पर पहुचाने का काम करेगें।

### गरीब बच्चो की प्रतिभाओं को उभारने का काम करेगी संस्था

संत सुधा सागर इंटरनेशनल स्कूल के उद्घाटन के मौके पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेष उद्योग मण्डल के अध्यक्ष राजेष जैन, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष पदम ताम्रकार, जैन समाज के अध्यक्ष जिनेन्द्र जैन, पत्रकार राजीव जैन सैनानी, रोहिताश्व शर्मा, मो. सईद खांन, फरहान खांन, भाजपा नेता रवि सोनी आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर अतिथियो ने अपने उद्बोधन में स्कूल की 15 लोगो की युवाओ की टीम का जजबा देखकर भूरी भूरी प्रशंसा की। वही उन्होने कहा कि हमें खुषी है कि स्कूली व्यवसाय के अलावा उक्त संस्था द्वारा सभी वर्ग के बच्चो को संरक्षण के साथ गरीब बच्चो को विषेष सुविधाए देकर षिक्षा के क्षेत्र में उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का जो कार्य संस्था की टीम ने किया है वह वास्तव में तारीफ के काबिल है। हम ने यह भी देखा है कि 15 युवा सभी आर्थिक रूप मजबूत और प्रतिष्ठित परिवारो से जुडे है लेकिन उन्होने रात दिन एक कर दो वर्षो में एक इतना बडा प्रोजेक्ट तैयार कर सिरोंज में एक आकर्षण का केन्द्र बना दिया। हमने यह भी देखा है कि इस टीम ने कोई वरिष्ठ व्यापारी है तो कोई डॉक्टर है लेकिन फिर भी इस संस्था ने ऐसा काम किया है जैसे कि मजदूर काम किया करते है। वही समारोह में जिला पंचायत पूर्व सदस्य श्रीमति माधवी माथुर सहित नगर के वरिष्ठ समाजजन, महिलाए,बच्चे बडी संख्या में मौजूद रहें। समिति के अध्यक्ष नीरज जैन, मंत्री गौरव जैन ने बताया कि स्कूल में किताबी ज्ञान के साथ जीवन के मूल्यो को उच्च बनाने के लिए नैतिक षिक्षा भी प्रदान की जाएगी। साथ ही गरीब बच्चो को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कर राष्ट्रीय स्तर पर उनकी प्रतिभाओं को उभारने का काम भी संस्था द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन अंशुल जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चो द्वारा रंगारंग संस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तृति दी गई।

## 307 के मामले में सुनाई सजा, लगाया अर्थदंड

**सिरोंज ।** अपर शास्त्र न्यायाधीश ने 307 के मामले में आरोप सिद्ध होने पर आरोपी को सजा तथा अर्थ दंड से दंडित किया है। फैसले की जानकारी देते हुए लोक अभियोजन मनीष वर्मा बताया कि आरोपी हेमराज रघुवंशी निवासी ग्राम बागरोदा थाना सिरोंज को अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र मेश्राम ने 7 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 6000 के अर्थ दंड से दंडित किया है , अर्थ दंड की राशि प्रतिकार के रूप में फरियादी विक्रम सिंह को देने के निर्देश भी दिए हैं। घटनाक्रम की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 16 सितंबर 2020 में पुरानी रंजिश को लेकर हेमराज रघुवंशी ने फरियादी विक्रम सिंह हमला कर दिया था जिसके वहां गंभीर रूप से घायल हो गया था कनपटी पर तलवार लगी हुई थी फरियादी विक्रम सिंह के चाचा कमलेश रघुवंशी ने इस घटना की रिपोर्ट थाना सिरोंज में दर्ज कराई थी जिस पर से अपराध क्रमांक 438 वर्ष 2020 धारा 307 324 294 506 भादंसं एवं इजाफा धारा 25 आर्म स एक्ट का पंजीबद्ध किया था अभियोजन द्वारा 11 गांव की गवाही इस मामले में ली गई मामला प्रमाणित होने पर आरोपी हेमराज रघुवंशी निवासी ग्राम बागरोदा को धारा 307 में 7 साल के सश्रम कारावास एवं पांच हजार रूपए के अर्थदंड एवं 25आर्मस एक्ट में दो साल सश्रम कारावास तथा एक हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

## महिला के साथ मारपीट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने एसपी के नाम एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

ग्राम वनवासा में रामसखी विश्वकर्मा पति रामस्वरूप विश्वकर्मा के साथ गांव के ही रहने वाले आरोपी चंहेश राजपूत,थान सिंह राजपूत,भोला राजपूत,विशाल राजपूत व रामावतार राजपूत ने रामसखी विश्वकर्मा को अपने ग्राम निवास पर घर में घुसकर सब्वल,लोहे की राड,लाठी डंडों से बेरहमी से मारपीट की है जिसमें रामसखी विश्वकर्मा के सर में 17 टांके आए एवं पैरों में भी गंभीर चोटें आई हैं जो कि अभी जिला अस्पताल में भर्ती है इस मारपीट से यह केस धारा 307 का भी बनता है। आरोपियों ने महिला को अकेला पाकर उसके साथ अभद्रता पूर्ण व्यवहार किया है। एवं घर का सामान तहस नहस कर दिया घटना को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गये एवं मौका पाकर रात्रि में रामसखी के घर में पुनः आकर घटना के साक्ष्य मिटा दिये क्योंकि राम सखी का घर आज भी सूना है। व अस्त-व्यस्त स्थिति में पड़ा है। उक्त आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाये एवं उचित कार्रवाई के तहत धारा 307,354 इत्यादि धाराओं की बढ़ोतरी की जाये उक्त घटना से समस्त विश्वकर्मा समाज में रोष व्याप्त है, सभी आरोपियों को तीन दिवस के अंदर गिरफ्तार किया जाये अगर तीन दिवस के अंदर उक्त कार्रवाई नहीं होती तो समस्त विश्वकर्मा समाज आचार संहिता का पालन करते हुए आंदोलन करने को विवश होगी।

## कलेक्टर ने जिला जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया

**विदिशा।** कलेक्टर ने जिला जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री वैद्य ने पुरूष हवालात बैरक संख्या 08 का तथा महिला हवालात बैरक संख्या 02 का निरीक्षण किया। जिला जेल स्थित महिला कैदी मुलाकात कक्ष सहित व्ही.सी रूम वारंट शाखा, स्वास्थ्य परीक्षकण कक्ष एवं भोजन पाक शाला को भी देखा, बनने बाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता का निरीक्षण कर कैदियों से उनको दी जाने वाली खाद्य सामग्री यथा चाय-नाश्ता दोपहर का भोजन एवं सांय कालीन भोजन प्रदाय का समय की जानकारी प्राप्त की तथा कैदियों से आपसी संवाद कर उनसे उनकी परेशानी आदि को जाना। 08 वैरको में पुरूष कैदियों की संख्यां 203 है, जबकि महिला कैदियों की संख्या 13 है।

जेल अधीक्षक प्रियदर्शन श्रीवास्तव ने बताया कि जिला जेल से वर्ष 2014 वागवानी का कार्य करते हुए सजायापता कैदी फरार हुआ था, जिसे जल्द ही पकड़ लिया गया था।

**मेट्रो एंकर**

### प्रतिदिन बिजली बिल बकायदाओं के काटे जा रहे है कनेक्शन

# 5 करोड़ का बकाया वसूलने के लिए बिजली वितरण कंपनी का अमला लगा रहा जोर

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो।**

मार्च का महीना प्रारंभ होते ही बकाया राशि वसूलने का प्रेशर अधिकांश विभागों पर होता है। सबसे ज्यादा दबाव इस समय बिजली वितरण कंपनी के अधिकारी और कर्मचारियों पर दिखाई दे रहा है। इस वजह से बकाया राशि वसूलने के लिए इनके द्वारा एड़ी चोटी का जोल लगाने का काम किया जा रहा है। बकाया राशि वालों के सीधे कनेक्शन काटे जा रहे हैं। गर्मी के सीजन में बिजली नहीं होने पर लोगों की हालत खराब हो रही है। बड़े बकाया दारों से लेकर छोटे बकाया दरों पर कार्रवाई हो रही है इस कारण से कई उपभोक्ताओं की मुश्किलें बड़ी हुई कई घरों में अंधेरा भी होता हुआ दिखाई दे रहा है चुनाव के दौर में इस तरह की कार्रवाई होने से उपभोक्ताओं के द्वारा कई तरह की बातें भी की जा रही है। बिजली वितरण कंपनी के द्वारा बकाया राशि वसूलने के लिए प्रतिदिन 50 से अधिक कनेक्शन काटने का काम भी किया जा रहा है। बकायदाओं को पहले तो बिजली जाने की जानकारी नहीं लगती पर कई घंटे तक बिजली नहीं आती पास में लाइट लाइट होती है तब इनको पता चलता है कि इनका कनेक्शन बिजली वितरण कंपनी के द्वारा बंद कर दिया है। बिजली गुल होते ही ऐसे उपभोक्ताओं की चिंताएं सातवें आसमान पर पहुंच जाती है उधर उधर से जुगाड़ करके कनेक्शन को चालू करवाने में लग जाते हैं। अधिकांश भोक्ताओं के द्वारा बकाया होने का ठीक रहा बिजली वितरण कंपनी के ऊपर फोड़ते हुए कहा जाता है कि अधिक भर के बिल थमा दिए जाते हैं इस वजह से हम लोग भर नहीं पाते हैं। अब राशि जमा करने के लिए हमारे कनेक्शन काटे जा रहे इस बात को लेकर कई जगह बिजली कंपनी के अमले के साथ उपभोक्ताओं की तीखी नोक नोकझोंक भी होती है। कई जगह तो चुपचाप बकाया राशि वालों के कनेक्शन कट जाते हैं । जिनकी बिजली गुल होती है फिर उनके द्वारा इनको जुड़वाने के लिए राशि जमा की जाती है।

### ऊपर वालों का प्रेशर जनता पर पहुंचता है

बिजली वितरण कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा मार्च के महीने में बकाया राशि जमा करवाने के लिए दवा बनाया जाता है इसके बाद नीचे के अमले के द्वारा भी उस प्रेशर को उपभोक्ताओं पर परिवर्तित कर दिया जाता है। इस वजह से धड़ाधड़ कनेक्शन काटने का काम इन दोनों हो रहा है। चुनाव को लेकर आचार संहिता लगी हुई है । जल्दी ही बकाया राशि का लक्ष्य काम नहीं हुआ तो स्थानीय अधिकारियों पर वेतन रोकने की कार्रवाई भी ऊपर से प्रारंभ कर दी जाएगी उससे बचने के लिए अभी से अमला पूरी ताकत से जुट गया है।

### जेई खुद पहुंचे अमले को लेकर कनेक्शन काटने

सोमवार को बकायदाओं के कनेक्शन काटने तथा नियम विरोध बिजली का उपयोग करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए बिजली वितरण कंपनी के जेई अमले को लेकर पटवा टोल पर पहुंचे जहां पर उन्होंने दो लोगों के कनेक्शन कटे साथ ही अन्य बकायदाओं के कनेक्शन काटने का काम किया गया लगभग 50 के करीब बकाया राशि जमा नहीं करने वालों के कनेक्शन एक दिन में काट दिए गए ।इस वजह से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है कटे हुए कनेक्शन जुड़वाने के लिए सभी तरह के प्रयास किए गए जिनमें से कई के सफल हो गए तो कई के सफल भी नहीं हो पाए तो बकाया राशि जमा करने के बाद ही इनके कनेक्शन को फिर से चालू किया गया।

### इनका कहना है

*5 करोड़ की बकाया राशि होने के कारण उसकी वसूलने के लिए हम पर भी ऊपर से प्रेशर है प्रतिदिन 50 के करीब कनेक्शन बकायदरों के काटे जा रहे हैं। सबसे पहले हम बकायदारों को राशि जमा करने के लिए समझाइश देते हैं जो राशि जमा नहीं करते हैं उनके हम कनेक्शन काट देते हैं।*

***समीर समेले,** एई बिजली वितरण कंपनी*

### 5 करोड वसूलने के लिए आ रहा है पसीना

वितरण कंपनी का टाउन क्षेत्र का ही बकाया 5 करोड़ के करीब होने से स्थानीय अधिकारियों पर ऊपर से भी इसको काम करने के लिए दवा बनाया जा रहा है। जैसे ही ऊपर से प्रेशर बनाया गया तो नीचे के अधिकारी अपने अधीनस्थों पर दबाव बनाने लगे हैं, इस वजह से बकाया राशि वसूलने के लिए सभी लोग जमीन पर जुट गए हैं सबसे पहले बड़े बकायदाओं के कनेक्शन काटकर उनसे राशि जमा करवाई जा रही है। साथ ही छोटे बकायदाओं को समझाएं दी जाती है नहीं मानते हैं तो इनके कनेक्शन भी काटे जा रहे हैं। इस समय तो छोटे-छोटे बकायदाओं को भी बिजली वितरण कंपनी का अमला छोड़ नहीं रहा है।

### बिजली चोरी पर नहीं लग रही रोक

अभी भी नगरीय क्षेत्र में बड़े स्तर पर बिजली चोरी करने का काम किया जा रहा है इन बिजली चोरों पर कार्रवाई नहीं होने से चोरी की बिजली की राशि वसूलने का काम जिन उपभोक्ताओं के द्वारा नियमित रूप से राशि जमा की जा रही है उनके बिलों में कहीं ना कहीं मिलकर उस राशि को वसूलने का काम किया जा रहा है। यदि जिन लोगों के द्वारा अवैध रूप से बिजली चोरी करके इस कार्य को किया जा रहा है। चोरी करने वाले पर भी बिजली वितरण कंपनी के अधिकारियों को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

### आईपीएल 2024 सीजन शुरू होने में महज 4 दिनों का वक्त

# शुरुआती मैचों में राहुल के खेलने पर संशय, इधर कोहली ने शुरू की प्रैक्टिस

**नईदिल्ली, एजेंसी**

आईपीएल 2024 सीजन शुरू होने में महज 4 दिनों का वक्त रह गया है. लेकिन इस बीच लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान केएल राहुल से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है. दरअसल, केएल राहुल को फिट घोषित कर दिया गया है. लेकिन नेशनल क्रिकेट एकेडमी में कहा कि आईपीएल के शुरुआती मैचों में केएल राहुल को नहीं खेलना चाहिए. हालांकि, इसके बाद वह पूरे टूर्नामेंट में खेलने के लिए फिट हैं. पिछले दिनों भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली गई. इस टेस्ट सीरीज में केएल राहुल चोट के कारण नहीं खेले थे, लेकिन अब लखनऊ सुपर जाएंट्स फैंस के अलावा भारतीय फैंस के लिए अच्छी खबर सामने आ रही है. हालांकि, यह देखना मजेदार होगा कि केएल राहुल लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए मैदान पर कब उतरेंगे? क्यों बैंगलोर स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी ने कहा कि केएल राहुल फिट हैं, लेकिन आईपीएल के शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेलें.

### 134.42 का रहा है स्ट्राइक रेट और 46.78 का एवरेज

केएल राहुल के आईपीएल करियर पर नजर डालें तो अब तक 118 मुकाबले खेल चुके हैं. फिलहाल, वह लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान हैं, लेकिन इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स का हिस्सा रह चुके हैं. आईपीएल मैचों में केएल राहुल ने 134.42 की स्ट्राइक रेट और 46.78 की लाजवाब एवरेज से 4163 रन बनाए हैं. आईपीएल मैचों में केएल राहुल ने 4 शतक जड़े हैं. इसके अलावा 33 बार पचास रनों का आंकड़ा पार किया है. वहीं, केएल राहुल का सर्वाधिक स्कोर 132 रन है. साथ ही केएल राहुल 50 टेस्ट मैचों के अलावा 75 वनडे और 72 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.

### आईपीएल से पहले विराट ने शुरू की प्रैक्टिस, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

आईपीएल 2024 सीजन शुरू होने में महज 4 दिनों का वक्त रह गया है. बहरहाल, सारी टीमों के खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस शुरू कर दिया है. इस सीजन के पहले मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स के सामने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम होगी. दोनों टीमों के बीच मुकाबला 22 मार्च को एन. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा. बहरहाल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विराट कोहली के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के अन्य खिलाड़ी प्रैक्टिस करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में विराट कोहली और कैमरून ग्रीन के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बाकी खिलाड़ी दिख रहे हैं. दरअसल, इस वक्त एन. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाड़ी पसीना बहा रहे हैं. साथ ही विराट कोहली सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं. दरअसल, विराट कोहली ने लंबे वक्त बाद मैदान पर वापसी की है. पिछले दिनों भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में विराट कोहली नहीं खेले थे।

### 8 महीने बाद खाते में आई ट्रॉफी

# कार्लोस अल्कारेज ने जीता इंडियन वेल्स का खिताब

**कैलिफोर्निया, एजेंसी**

स्पेन के 20 साल के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने इंडियंस वेल्स का खिताब जीत लिया है। उन्होंने डेनियल मेदवेदेव को हराकर खिताब अपने नाम किया। नोवाक जोकोविच के बाद अल्कारेज इस खिताब को डिफेंड करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। पिछले साल विंबलडन के बाद उन्होंने कोई खिताब नहीं जीता था। डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्कारेज ने इंडियन वेल्स ओपन टेनिस के पुरुष सिंगल्स फाइनल में डेनियल मेदवेदेव को हरा दिया है। उन्होंने इस मैच को सीधे सेट में 7-6, 6-1 से अपने नाम किया। यह पिछले साल विंबलडन चैम्पियन बनने के बाद 20 साल के अल्कारेज का पहला खिताब है। अल्कारेज यहां दाहिने टखने में चोट के साथ पहुंचे थे।

**अल्कारेज ने पहले सेट में की दमदार वापसी:** कार्लोस अल्कारेज की यह इंडियन वेल्स में लगातार 12वीं जीत है। उन्हें फरवरी में रियो ओपन के दौरान चोट लगी थी। पहले सेट में एक समय मेदवेदेव 3-1 से आगे चल रहे थे। यहां से अल्कारेज ने वापसी की करते हुए पहले सेट को टाइब्रेकर में अपने नाम किया। यह सेट 1 घंटे 10 मिनट चला। लेकिन दूसरे सेट में स्पेन के अल्कारेज ने मेदवेदेव को कोई मौका नहीं दिया और सेट जीतने के साथ ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। उन्होंने इंडियन वेल्स में खिताब जीतने के बाद कहा, 'मैं हर मैच के बाद बेहतर महसूस कर रहा था। हर मैच के बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ता जा रहा था। मास्टर 1000 स्तर के टूर्नामेंट को फिर से जीतना, आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देता है।' वह नोवाक जोकोविच के 2014 से 2016 तक लगातार तीन बार चैम्पियन बनने के बाद इस खिताब का बचाव करने वाले पहले खिलाड़ी है।

**स्वियातेक महिलाओं की चैंपियन:** इगा स्वियातेक ने महिलाओं के फाइनल में मारिया सककारी को लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में 6-4, 6-0 से करारी शिकस्त दी। स्वियातेक ने इस 12 दिवसीय टूर्नामेंट के दौरान छह मैचों में केवल 21 गेम गंवाए। स्वियातेक की इस साल 22 मैचों में यह 20वीं जीत है।

# स्विस ओपन बैडमिंटन में लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

**दुबई, एजेंसी**

लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू होने वाले स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में अपनी शानदार लय जारी रखना चाहेंगे तो वहीं अनुभवी पीवी सिंधु की कोशिश एक बार फिर से अपने खेल के शिखर पर पहुंचने की होगी। लक्ष्य ने इस साल की शुरुआत में मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया ओपन 750 में पहले दौर में हार के बाद शानदार वापसी की है।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू होने वाले स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में अपनी शानदार लय जारी रखना चाहेंगे तो वहीं अनुभवी पीवी सिंधु की कोशिश एक बार फिर से अपने खेल के शिखर पर पहुंचने की होगी। लक्ष्य ने इस साल की शुरुआत में मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया ओपन 750 में पहले दौर में हार के बाद शानदार वापसी की है। इस 22 साल के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी 210,000 डॉलर (लगभग 1.74 करोड़ रुपये) पुरस्कार राशि वाले

टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत मलेशियाई लियोंग जून हाओ के खिलाफ करेंगे। वह शुरुआती दौर की बाधा पार करने पर 2021 विश्व चैंपियन ली जी जिया से भिड़ सकते हैं। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत पहले दौर में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे के वांग त्जु-वेई का मुकाबला करेंगे, जबकि युवा प्रियांशु राजावत हांगकांग के चौथी वरीयता प्राप्त ली चेउक यियू की चुनौती से निपटेंगे।

सिंधु ने बायें घुटने की चोट से उबरकर इस महीने की शुरुआत में फ्रेंच ओपन से वापसी की थी, जहां उनका सफर क्वार्टर तक चला था। वह हालांकि इसके बाद ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के दूसरे दौर से बाहर हो गयी थी। दो बार की ओलंपिक पदक

विजेता पी वी सिंधु का सामना ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप की तरह यहां भी पहले दौर में जर्मनी की वोन्रे लि से होगा। पिछले सप्ताह जर्मनी की इस खिलाड़ी ने चोट लगने के कारण मैच को बीच में छोड़ दिया था। महिला एकल में अन्य भारतीय आकर्षी कश्यप को कड़ा ड्रा मिला है। वह अपने अभियान की शुरुआत कनाडा की मिशेल ली के खिलाफ करेंगी। अच्छी लय में चल रही तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी मेइलिसा ट्रायस पुस्पितासारी और राचेल एलेस्या रोज की इंडोनेशिया की जोड़ी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। 8वीं वरीयता प्राप्त त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना पहले दौर में अमेरिका की एनी जू और केरी जू की जोड़ी से होगा।

### हार्दिक पांड्या बोले
# आईपीएल में बतौर ऑलराउंडर खेलूंगा

**मुंबई, एजेंसी।** आईपीएल सीजन शुरू होने से पहले मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या और कोच मार्क बाउचर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं. इसमें हार्दिक पांड्या ने कई सवालों पर अपनी बात रखी. पांड्या ने कहा कि इस आईपीएल में बतौर ऑलराउंडर खेलूंगा, लिहाजा मेरा काम ज्यादा से ज्यादा गेम को फिनिश करना है. उन्होंने कहा कि मुंबई इंडियंस वापस लौटना वाकई शानदार अनुभव है. जहां से पूरा सफर शुरू हुआ, वहीं से अब फिर आगे बढ़ रहा है.

हार्दिक पांड्या ने कहा कि कीरोन पोलार्ड और लसिथ मलिंगा के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं, फिर दोनों के साथ काम करने के मौके मिल रहे हैं. अब तक मेरा सफर शानदार रहा है, आगे के लिए काफी रोमांचित हूं. इसके अलावा उन्होंने रोहित शर्मा पर अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि कुछ अलग नहीं होने वाला है, वह हमेशा मेरी मदद के लिए रहेंगे, जब मुझे जरूरत होगी. इस टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में सबकुछ हासिल किया है. साथ ही बतौर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा से मुझे काफी मदद मिली।

# घुटने के चोट के बाद बल्लेबाजी के साथ विकेटकीपिंग करना मुश्किल : गावस्कर

**मुंबई, एजेंसी।** दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत फिट हो चुके हैं और टीम को आईपीएल के 16वें संस्करण में लीड करने के लिए तैयार हैं। लेकिन सुनील गावस्कर ने उनकी फॉर्म को लेकर ऐसी बात कही, जिसे जानकार दिल्ली के फैंस निराश हो जाएंगे। लगभग 15 महीने क्रिकेट से दूर रहने के बाद भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। फैंस उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेट के पीछे से कमेंट की बारिश देखने के लिए बेकरार हैं। हालांकि उससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि पंत के लिए क्रिकेट में वापसी आसान नहीं होने वाली है। अच्छी बात यह है कि उन्होंने प्रैक्टिस के दौरान क्रिकेट जरूर खेला है लेकिन लय हासिल करने में उन्हें काफी समय लगने वाला है। घुटने के चोट के बाद बल्लेबाजी के साथ विकेटकीपिंग करना काफी मुश्किल हो जाता है।

### मेट्रो बाजार

# 650 करोड़ खर्च कर मदर डेयरी बनाएगी दो नए प्रोसेसिंग प्लांट

**नईदिल्ली, एजेंसी**

दिल्ली और नेशनल कैपिटल रीजन में प्रमुख दूध सप्लायर मदर डेयरी दो और नए प्लांट्स बनाने के लिए करीब 650 करोड़ रुपए इन्वेस्ट करने जा रही है। नए प्लांट में कंपनी दूध और फलों को प्रोसेस करेगी। कंपनी इससे बढ़ती मार्केट डिमांड को पूरा करेगी। इसके अलावा मदर डेयरी अपनी मौजूदा प्लांट की कैपेसिटी बढ़ाने के लिए 100 करोड़ और इन्वेस्ट करेगी। मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष

बंदलिश ने कहा, हम अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और कस्टमर्स तक पहुंच बढ़ाने के लिए अपने प्रमुख जगहों पर अपनी डेयरी प्रोसेसिंग कैपेसिटीज के विस्तार के लिए 750 करोड़ रुपए खर्च करने वाले हैं। नागपुर में 525 करोड़ की लागत से डेयरी प्लांट बना रही कंपनी मनीष ने बताया कि कंपनी लगभग 525 करोड़ के इन्वेस्टमेंट से महाराष्ट्र के नागपुर में एक बड़ा डेयरी प्लांट लगा रही है। इस प्लांट में रोजाना 6 लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग होगी, जिसे बाद में बढ़ाकर 10 लाख लीटर किया जाएगा। यह प्लांट देश के साउदर्न रीजन में सर्विस प्रोवाइड। कर्नाटक में फ्रूट प्रोसेसिंग प्लांट बनाएगी कंपनी कंपनी अपने ब्रांड को कर्नाटक में भी बढ़ा रही है।

# गिरावट: सोना 65,270 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी भी 74 हजार के नीचे आई

**मुंबई, एजेंसी**

सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 289 रुपए सस्ता होकर 65,270 रुपए पर आ गया है। इससे पहले इसी महीने 11 मार्च को सोने ने 65,646 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। चांदी में भी गिरावट देखने को मिली है। ये 438 रुपए सस्ती होकर 73,772 रुपए प्रति किलो ग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 74,210 रुपए पर थी। चांदी ने बीते साल यानी 2023 में 4 दिसंबर को 77,073 का ऑल टाइम हाई बनाया

था। 2023 में 8 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ था सोना साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था।

## मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

# रति पांडे झेल चुकी हैं भेदभाव, अच्छे मौकों को गंवाने का अफसोस

टीवी एक्ट्रेस रति पांडे, जो अब खेसारी लाल यादव के साथ 22 मार्च को भोजपुरी फिल्म 'रंग दे बसंती' में नजर आने वाली हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी टीवी की दुनिया से जुड़ी कुछ बातें की हैं। उन्होंने बताया कैसे अपनी पसंद के कारण, अच्छे मौके हाथ से चले गए। 'हिटलर दीदी' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस रति पांडे 22 मार्च को अपनी भोजपुरी फिल्म 'रंग दे बसंती' में नजर आने वाली हैं। उसी के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने अपने साथ होने वाले भेदभाव का भी जिक्र किया। साथ ही इन्होंने कई प्रोजेक्ट्स को हाथ से जाने के बारे में भी बताया। रति पांडे ने एक इंटरव्यू में प्रोजेक्ट्स को खोने का अफसोस जताया। कहा, मेरा मानना है कि मिले जब हम तुम और हिटलर दीदी मेरी लाइफ का सबसे अच्छा पल था और मैंने उस दौर को खूब इंजॉय भी किया। उसके बाद मेरी चॉइस ऐसी थी कि डाउनफॉल भी आया। कई बार ऐसा लगता है कि अगर थोड़े पैसे कम करके वो प्रोजेक्ट कर लेती तो अच्छा होता॥ लेकिन बीच में जितने भी डाउनफॉल आए हैं।

### अलग-अलग किरदार निभाए...

रति ने आगे कहा, मैंने हमेशा टेलीविजन पर हरेक शो को पूरा करने के बाद ब्रेक लेने का रूल बनाया और फॉलो भी किया। मैं हमेशा लंबा गैप लेती हूं क्योंकि मैं हर समय टेलीविजन के संपर्क में नहीं रहना चाहती थी। मैंने टीवी पर बतौर लीड अब तक जितने भी आठ शोज किए हैं, उनमें से जो भी किरदार मैंने किए हैं, सभी किरदार एक-दूसरे से काफी अलग थे। मैंने कभी कोई किरदार दोहराया नहीं। रति ने कहा, मुझे लगता है कि मैं काफी भाग्यशाली थी कि मैंने टीवी पर इतने सारे शोज लीड के रूप में हासिल किए।

# नहीं हुआ एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया का ब्रेकअप

हाल ही में खबर आई थी कि एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का ब्रेकअप हो गया है। मगर ये खबर गलत है। इसका अब सबूत भी मिल गया है। 'बाहुबली' फेम एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की लास्ट मूवी 'जेलर' 2023 में आई थी। हाल फिलहाल में उनकी किसी मूवी की चर्चा नहीं हुई है। मगर वो अपनी लव लाइफ को लेकर हमेशा खबरों में रहती है।

### लव बर्ड्स ने दिए पैपराजी के लिए पोज

पार्टी में तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा को साथ क्वालिटी टाइम बिताते देखा गया है। लव बर्ड्स साथ में पैपराजी के लिए पोज भी देते दिखे। इसकी तस्वीरें और फोटोज इंटरनेट पर वायरल हैं। वर्क फंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया के पास पाइप लाइन में 'अरनमनई 4', 'वेदा' और 'स्त्री 2' भी हैं। वहीं विजय वर्मा की लेटेस्ट मूवी 'मर्डर मुबारक' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है।

# रणदीप हुड्डा बोले- 'वीर सावरकर' सबने मना किया, इसलिए फिल्म करने की जिज्ञासा बढ़ी

रणदीप हुड्डा अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। वे एक तरफ लिन लैशराम से अपनी शादी तो दूसरी तरफ 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' फिल्म को लेकर खबरों में बने हैं। हिंदी और मराठी भाषा में 22 मार्च को सिनेमाघर में रिलीज होने जा रही इस फिल्म से रणदीप पहली बार निर्देशक भी बन गए हैं। फिल्म में निर्देशन सहित अभिनय, सह-लेखन और निर्माण के साथ-साथ अपनी शादीशुदा लाइफ पर रणदीप से दैनिक भास्कर से खास बातचीत की है। रणदीप हुड्डा ने कहा कि लोगों ने शुरुआती समय में उन्हें फिल्म करने के लिए मना किया था। लोगों ने कहा कि पॉलिटिकल पर्सन पर फिल्म करके कॉन्ट्रोवर्सी में फंस जाओगे। ये सब बात सुनकर रणदीप हुड्डा के मन में एक जिज्ञासा जगी और उन्होंने फिल्म करने के लिए हामी भर दी। स्वातंत्र्य वीर सावरकर' का ऑफर आया, तब पहली प्रतिक्रिया क्या थी? पहली चीज यह लगी कि मैं वीर सावरकर जैसा दिखता नहीं हूं। दूसरा, मेरे शुभचिंतक बोल रहे थे कि सावरकर जी पर फिल्म मत करो। तुम एक उम्दा कलाकार हो, तुम सावरकर जी की तरह खामखां एक पॉलिटिकल पर्सन बन जाओगे, कंट्रोवर्सी होगी। इन बातों से मेरी जिज्ञासा और बढ़ी।

### खुद के डायरेक्शन में एक्टिंग करके कैसा फील हुआ?

मुझे काम करते हुए दो दशक से ऊपर हो गया है। अपने करियर के शुरुआत से ही सीन ओके होने के बाद कभी जाकर मॉनिटर नहीं देखता कि कैसा परफॉर्म किया है। अंदर से एक आवाज आ जाती थी। इसमें निर्देशक भी मैं ही था, सो पता था कि क्या चाहिए। कई बार मैं अपना ही शॉर्ट लेना भूल जाता था, क्योंकि दूसरे कामों में बिजी रहता था। एक अभिनेता के तौर पर कम और निर्देशक के तौर पर ज्यादा जु़ड़ा रहा। फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर के लिए काफी वजन कम किया। इस बारे में विस्तार से बताइए? मैंने काफी पहले से वजन कम करना शुरू कर दिया था। दरअसल कुछ समय पहले मेरा घुटना टूट गया था। इस वजह से 8 सप्ताह बिस्तर पर पड़ा रहा। बिस्तर पर पड़े-पड़े मेरा वजन बढ़ गया। फिर मैंने दोबारा वजन कम किया।

### आशिमा मॉल के सामने फिर हुआ हादसा, एक सप्ताह पहले ही भाई के घर आया था भोपाल

# बीआरटीएस में युवक को मारी टक्कर, बीस मीटर तक घसीटा, मौके पर मौत

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

**मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित आशिमा मॉल के पास सड़क पार कर युवक को कार ने टक्कर मार दी। कार के साइड मिरर से टक्कर लगने के बाद एक अन्य बोलेरो ने उसे चपेट में ले लिया और करीब बीस मीटर तक घसीट दिया। इस हादसे में उसे गंभीर चोट आई थी। वहां से गुजर रहे निजी वाहन से साथी उसे एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही युवक को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।**

पुलिस के अनुसार अजय प्रजापति पिता हेमराज प्रजापति (18) ग्राम बढ़वई, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन का था। उसने अभी ही बारहवीं की परीक्षा दी थी। परीक्षा होने के बाद वह गणेश नगर में रहने वाले अपने बड़े भाई नितिन प्रजापति के घर आया था। करीब एक सप्ताह पहले उसने आशिमा मॉल के सामने दूसरी तरफ कांप्लेक्स में स्थित सागर गेरे में नौकरी ज्वाइन की थी। सोमवार रात करीब 11 बजे सागर गेरे से छूटने के बाद वह साथी सुधांशु समेत पांच अन्य दोस्तों के साथ गणेश नगर जाने के लिए निकला था। आशिमा मॉल के सामने सभी को बीआरटीएस कॉरीडोर पार कर गणेश नगर जाना था और सभी लोग सड़क किनारे खड़े थे।

#### संभलने का नहीं मिला मौका

सुधांशु ने बताया कि सभी लोग सड़क किनारे खड़े थे। इसी बीच अजय ने बीआरटीएस कॉरीडोर पार करना चाहा। बीआरटीएस कॉरीडोर में पहुंचते ही मंडीदीप की तरफ से आ रही कार के साइड मिरर से अजय टकरा गया। इसी बीच बागसेवनिया की तरफ से मंडीदीप की तरफ जा रही बोलेरो ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। बोलेरो ने उसे चपेट में लेते हुए करीब बीस मीटर तक घसीट दिया था। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक

#### दोनों गाड़ियां मौके से फरार

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का साइड मिरर टूटकर गिर गया। अजय के साथियों ने दोनों गाड़ियों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन भागने की फिराक में आरोपियों ने दूसरे वाहनों को भी टक्कर मारी थी। इसके बाद कार और बोलेरो के चालक गाड़ी लेकर भाग निकले।

#### वैन को रुकवाकर ले गए अस्पताल

सुधांशु ने बताया कि हादसे के बाद एंबुलेंस को कॉल किया गया था, लेकिन एंबुलेंस नहीं पहुंची। लिहाजा वहां से गुजर रही एक वैन के ड्राइवर से मदद मांगी गई और अजय को उठाकर एम्स लेकर पहुंचे। एम्स पहुंचने पर डॉक्टर ने अजय को चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

#### इसी जगह दंपती को मैजिक वाहन ने मारी थी टक्कर

करीब 25 दिन पूर्व इसी रोड पर सड़क पार करते समय बुजुर्ग दंपती को मैजिक वाहन ने टक्कर मारी थी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई?थी, जबकि पति ने इलाज के दौरान एक स्पताह बाद दम तोड़ दिया था। उल्लेखनीय है कि कृष्णाबाई पति राजाराम (55) बागमुगलिया में रहती थी। शुक्रवार 23 फरवरी की रात वह पति के साथ बख्तरा से लौटी थी। दंपती रात करीब 8 बजे आशिमा मॉल के पास बस से उतरे और सड़क पार करते हुए बीआरटीएस कारीडोर में पहुंचे। उन्हें अशिमा मॉल की तरफ जाना था। इससे पहले ही बीआरटीएस लेन पर बागसेवनिया की तरफ से जा रहे मैजिक वाहन ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मैजिक वाहन चालक भाग निकला था। बुजुर्ग दंपती को इलाज के लिए एम्स ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने कृष्णाबाई को मृत घोषित कर दिया। राजाराम को गंभीर चोट थी उनका इलाज चल रहा था। एक मार्च शुक्रवार दोपहर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल और मुख्य सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगालने के बाद टक्कर मारने वाले मैजिक वाहन का पता लगा लिया था। मैजिक वाहन जाटखेड़ी का बताया जा रहा था।

## प्रतियोगी परीक्षा देने आए युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

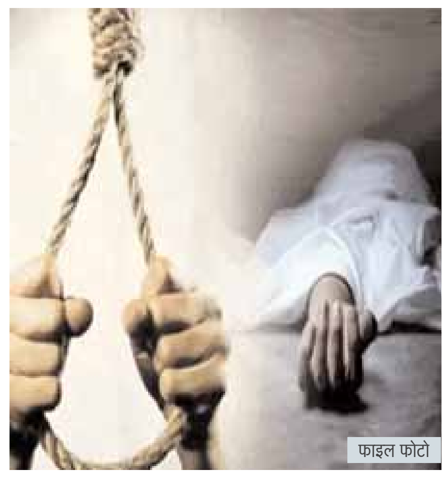
फाइल फोटो

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

कोलार थाना क्षेत्र स्थित सर्वजन सोसायटी कल्याणीकुंज में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह राजस्थान से भोपाल पेपर देने आया था। पुलिस ने मृतक का कमरा सील कर दिया है। शव पीएम के लिए मर्चूरी भेजा गया था। आज मंगलार को मृतक के परिजन राजस्थान से भोपाल पहुंचे गए थे। परिजन की उपस्थिति में आज युवक का पीएम कराया गया। पुलिस के अनुसार दुर्गजीत सिंह आर्य पिता रामस्वरूप आर्य (21) मूलत~ राजस्थान से भोपाल प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने आया था और अपने दोस्त के रूम पर रुका था। रविवार को उसने पेपर दिया और सोमवार रात करीब साढ़े 9 बजे के आसपास कमरे में फांसी लगा ली। काफी देर तक दुर्गजीत ने कमरे का दरवाजा नहीं खोला तो पुलिस को सूचना दी गई?थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दरवाजा तोड़ा तो अंदर दुर्गजीत का शव फांसी के फंदे पर मिला।

पुलिस ने शव पीएम के लिए भेज दिया था और उसका कमरा सील कर दिया। घटना की जानकारी रात में ही परिजन को दे दी गई?थी। परिजन भोपाल के लिए निकल गए थे। मंगलवार सुबह परिजन भोपाल पहुंच गए। उनकी मौजूदगी में शव का पीएम कराने के बाद शव सौंप दिया गया है।

## थ्रेशर में दुपट्टा फंसा, चौदह साल की बच्ची की मौत

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव महुआखेड़ा, टोला में कल शाम थ्रेशर में गेहूं डालते समय 14 साल की किशोरी का दुपट्टा फंस गया। स्टार्ट थ्रेसर रोलिंग में था और दुपट्टा फंसते ही दुपट्टा का दूसरा हिस्सा किशोरी के गले में लिपट गया। दुपट्टा गले में कसने के कारण किशोरी बेसुध हो गई?थी। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार नैनसी जाटव पिता जगदीश जाटव (14) गांव महुआखेड़ा टोला में रहती थी। उसके माता पिता खेती किसानी करते हैं। सोमवार शाम उनके खेत पर थ्रेशर

फाइल फोटो

बुलाया गया था। परिजन थ्रेशर में गेहं की ढेर खोलकर लगा रहे थे। परिवार के साथ नैनसी भी थ्रेशर में गेहूं लगा रही थी। गेहूं का ढेर लगाते समय नैनसी के गले में लिपटा दुपट्टे थ्रेशर में फंस गया। दुपट्टा थ्रेशर में फंसते ही उसके गले में फांसी का फंदा लग गया था। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है।

## युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित अहमद कॉलोनी में सोमवार सुबह एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार अहमद कॉलोनी निवासी साहिल खान पुत्र स्व. गुड्डू खान (21) गाड़ियों के वाशिंग सेंटर में काम करता था। पिता का निधन हो चुका है। वह यहां अपनी मां व बहन के साथ रह रहा था। सोमवार सुबह मां और बहन सोकर उठ गए थे। लेकिन काफी देर तक साहिल सोकर नहीं उठा। सुबह करीब दस बजे बहन उसे जगाने पहुंची तो दरवाजा ïीतर से बंद मिला। बहन ने खिड़की से देखा तो ïीतर साहिल दुपट्टे के फंदे पर लटका नजर आया। शोर सुनकर मकान मालिक व अन्य पड़ोसी मौके पर पहुंच गए थे। इसके बाद साहिल को फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, वहां पता चला कि साहिल की मौत हो चुकी है।

## घर के पास खड़े रहने का विरोध, युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शिव नगर फेज 3 में एक बदमाश ने मंदबुद्धि युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। दरअसल मंदबुद्धि युवक आरोपी के घर के पास खड़ा रहता था। इसी बात को लेकर आरोपी ने युवक से गाली-गलौज की और उस पर चाकू से हमला कर दिया। युवक को गंभीर चोट आई है उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने घायल के बड़े भाई की शिकायत पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार निर्मल सिंह पिता जयपाल सिंह (30) शिव नगर फेज 3 में रहते हैं और निजी कॉलेज में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनका छोटा भाई उत्तम सिंह मंदबुद्धि का है।

फाइल फोटो

वह घर से निकल कर कृष्णा डेरी के पास खड़ा था। रात करीब 11.00 बजे के आसपास प्रदीप साहू ने उसे घर के पास खड़े जाने का कारण पूछा। उत्तम सिंह ने जवाब में कहा कि ऐसे ही यहां खड़ा हूं। इस पर प्रदीप साहू भड़क गया। वह कहने लगा की रोज तू यहां क्यों खड़ा रहता है और गाली गलौज करने लगा। गली गलो सुनकर निर्मल सिंह पहुंचे तो आरोपी ने उत्तम सिंह पर चाकू से हमला कर दिया था। निर्मल सिंह भाई उत्तम सिंह को अस्पताल लेकर पहुंचे वहां उत्तम सिंह का इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने निर्मल सिंह की शिकायत पर प्रदीप साहू के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि आरोपी प्रदीप साहू पर पूर्व में भी एक अपराध दर्ज है।

## एमपी नगर के मैकेनिक मार्केट में आग दो दुकानें खाक

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

शहर के एमपी नगर क्षेत्र में चेतक ब्रिज के नजदीक स्थित मैकेनिक मार्केट में अचानक आग लगने से हडकंप फैल गया। घटना सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात की है। इस हादसे में दो दुकानें जलकर खाक हो गईं। वहीं तीन कारों को भी आग से नुकसान पहुंचा है। आसपास के रहवासियों ने घटना की सूचना तुरंत फायर कंट्रोल रूम को दी। इसके बाद पुल बोगदा स्थित फायर स्टेशन से दमकलों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग लगने की वजह का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

**मेट्रो एंकर** | खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित भैंसाखेड़ी का मामला

# पुलिया के नीचे नाले में मिला गुमशुदा युवक का शव

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित भैंसाखेड़ी में सोमवार दोपहर एक युवक का शव पुलिया के नीचे नाले में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक गत 15 मार्च की शाम से लापता था और उसकी थाने में गुमशुदगी भी दर्ज कराई गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार रामस्वरूप मीणा पिता बाबूलाल मीणा (45) गांव भैंसाखेड़ी में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे। उन्हें मिर्गी का दौरा आता था। इसके अलावा उनका मानसिक संतुलन भी बिगड़ गया था। वह अक्सर चलते चलते दौड़ लगा देते थे। कुछ दूरी तक दौड़ने के बाद वे गिर जाते थे। दरअसल, उन्हें मिर्गी दौरा आ जाता था।

फाइल फोटो

परिजन ने बताया कि गत 15 मार्च की शाम रामस्वरूप घर से बिना बताए कहीं चले गए थे। उनकी तलाश की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। अगले ही दिन 16 मार्च को थाने पहुंचकर उनकी गुगशुदगी दर्ज कराई। पुलिस और परिजन उनकी तलाश कर रहे थे।

#### पंचर की दुकान वाले ने देखा शव

भैंसाखेड़ी में पुलिया के पास पंचर की दुकान लगाने वाले सख्श ने पुलिस को बताया कि वह नाले के पास लघुशंका करने पहुंचा था, तभी उसने नाले में औंधे मुंह एक व्यक्ति को पड़े देखा। चूंकि उसे पता था कि गांव में रहने वाला रामस्वरूप लापता है। लिहाजा उसने रामस्वरूप के परिजन को घटना की जानकारी दी थी। परिजन मौके पर पहुंचे और रामस्वरूप की पहचान कर ली।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022